

डॉ. टेड हिल्डेब्रांट ओटी इतिहास, साहित्य, और धर्मशास्त्र, व्याख्यान 20

© 2020, डॉ. टेड हिल्डेब्रांट

यह डॉ. टेड हिल्डेब्रांट अपने पुराने नियम के इतिहास, साहित्य और धर्मशास्त्र पाठ्यक्रम व्याख्यान संख्या 20 में जोशुआ और शांतिवाद बनाम न्यायपूर्ण युद्ध सिद्धांतों की पुस्तक का समापन करते हैं, और फिर न्यायाधीशों की पुस्तक के परिचय के साथ न्यायाधीशों पर चर्चा करते हैं। न्यायाधीश एहूद, दबोरा, बराक और गिदोन।

सप्ताह पूर्वावलोकन

कक्षा चलो शुरू करें. आइए प्रार्थना के एक शब्द के साथ शुरुआत करें। शुरू करने से पहले हमारे पास कुछ चीजें हैं, मैं सिर्फ यह घोषणा करना चाहता हूँ कि इस सप्ताह क्या हो रहा है। हमें इस गुरुवार को मोटे तौर पर आई किंग्स पर एक प्रश्नोत्तरी मिली है। हमने परीक्षा के लिए अध्याय 1 से 11 तक का अध्ययन किया, इसलिए मूल रूप से अध्याय 12 से 22 या जो कुछ भी बचा हुआ है। इसे खत्म करें और फिर एक्लेसिएस्टेस अध्याय 1 से 3 और 12 और फिर रॉय ज़क का एक लेख है। तो हम गुरुवार को ऐसा करेंगे. फिर मंगलवार को मुझे वास्तव में असाइनमेंट पर काम करना पड़ा। थैंक्सगिविंग के कारण कुछ चीजें चारों ओर से घेर ली गई हैं। इसलिए हम गुरुवार को एक प्रश्नोत्तरी आयोजित करेंगे जैसा कि हम आम तौर पर करते हैं। फिर मंगलवार हमारे पास मंगलवार के लिए एक समायोजित होगा। यदि आप जल्दी घर जा रहे हैं क्योंकि आप यहां से उड़ान भर रहे हैं या आपको कुछ काम करना है, तो मंगलवार को आपको वापस आकर प्रश्नोत्तरी देनी होगी। लोग कहते रहते हैं, अच्छा, क्या मैं इसे सोमवार को ले सकता हूँ? जवाब न है। यह अभी तक नहीं बना है. मैं कक्षा में जाने से ठीक पहले इसे बना लेता हूँ। इसलिए जब आप थैंक्सगिविंग अवकाश से वापस आए तो इसे ले लें।

प्रश्न: तो क्या गुरुवार को प्रश्नोत्तरी किंग्स 1 से 22 या 11 पर होगी?

अध्याय 12-22. वेबसाइट पर देखें. वेबसाइट ने इसे सही पाया है। तो वेबसाइट को फॉलो करें। ठीक है, आइए प्रार्थना के साथ शुरुआत करें और फिर हम आज जोशुआ को समाप्त करेंगे और न्यायाधीशों के माध्यम से बात करेंगे, हम आज तेजी से आगे बढ़ने की कोशिश करने जा रहे हैं, तो चलिए शुरू करते हैं।

पिताजी इस दिन के लिए धन्यवाद। हम आपके प्रति आपकी दयालुता और हमें इस तरह के संदर्भ में आपके शब्द का अध्ययन करने की अनुमति देने के लिए आपको धन्यवाद देते हैं, जहां लोग आपके शब्द और आपकी उपस्थिति को हर अनुशासन में एकीकृत करने का प्रयास कर रहे हैं। हम इस कक्षा के लिए

आपको धन्यवाद देते हैं जहां हम आपके उस शब्द पर ध्यान केंद्रित कर सकते हैं जो आपने यहोशू से कहा है। आपने न्यायाधीशों का नेतृत्व किया है। पिता, आपने हमें भी उसी तरह चलाया है जैसे हम जीवन में चले हैं। और हम प्रार्थना करते हैं कि इस घड़ी में जब हम आपके वचन की खोज कर रहे हैं तो आप हमारे साथ रहें। मसीह के नाम पर हम प्रार्थना करते हैं। तथास्तु।

प्रशांतवाद

हमें जोशुआ को खत्म करना है और हम युद्ध के ठीक बीच में थे जब कक्षा की आखिरी अवधि में परीक्षा के लिए कक्षा टूटी। इसलिए मैं युद्ध की हमारी चर्चा को एक तरह से खत्म करना चाहता हूँ। हमने गैर-प्रतिरोध करने वाले लोगों के बारे में बात की थी जो युद्ध में नहीं जाएंगे, लेकिन वे युद्ध के संदर्भ में कुछ सकारात्मक करने की कोशिश करने वाले चिकित्सकों और पादरी के रूप में जाएंगे। शांतिवाद, इनमें से बहुत से शांतिवादी लोग युद्ध से कोई लेना-देना नहीं चाहते हैं, यहां तक कि एक चिकित्सक के रूप में सकारात्मक तरीके से भी मदद नहीं करना चाहते हैं। मोटे तौर पर वे ऐसे अनुच्छेदों का हवाला देंगे जहां राज्य का वर्णन तलवारों को पीटकर हल के फाल में बदलने के संदर्भ में किया गया है। युद्ध के हथियार लेना और उन्हें खेती के उद्देश्यों के लिए उपयोग करना और उन चीजों के उद्देश्यों को बदलना। यह वह राज्य है जो ईश्वर लाता है, युद्ध नहीं बल्कि शांति और सद्भाव, और भूमि के साथ, जुताई और मिट्टी को मोड़ना और उस तरह की चीजें।

यशायाह में परमेश्वर के राज्य का वर्णन इस प्रकार किया गया है जैसे शेर मेमने के साथ लेटा हुआ है, या भेड़िया मेमने के साथ लेटा हुआ है। और *शालोम*, शांतिवादी वास्तव में *शालोम की इस धारणा पर ध्यान केंद्रित करेंगे*। शांति और सद्भाव, और राज्य आ रहा है, जब किसी दिन शेर मेमने के साथ सो जाएगा। राज्य इसी के बारे में है, और हमें राज्य के व्यवसाय के बारे में होना चाहिए। लेकिन अब, हमें दुनिया में मौजूद विसंगति और संघर्ष के बजाय शांति और सद्भाव के बारे में सोचना चाहिए। इसलिए वे इन अंशों, भविष्यसूचक अंशों का उपयोग यह कहने के लिए करेंगे कि हम परमेश्वर के राज्य का हिस्सा हैं और इसलिए इस संबंध में कोई युद्ध नहीं होना चाहिए।

ये लोग भी, उनमें से कई अपना बचाव नहीं करेंगे। यीशु ने हमें अपने विश्वास के लिए मरने का एक आदर्श दिया। इसलिए यदि कोई सैनिक आता है, तो आप अपने विश्वास के लिए मर जाते हैं और आप वापस नहीं लड़ते हैं और आप पूरी तरह से गैर-प्रतिरोध करते हैं और आप जेल जाते हैं, आप अपने शांतिवाद के परिणाम भुगतते हैं। दूसरे लोग आप पर हिंसा कर सकते हैं परंतु आप किसी भी प्रकार का प्रतिकार नहीं

करें। तो यह एक शांतिवादी रुख है जो बड़े पैमाने पर मसीह का अनुसरण करने की कोशिश कर रहा है। मसीह ने रोमनों को उसे क्रूस पर चढ़ाने की अनुमति दी, और वह रोमन क्रूस पर मर गया। वह उन्हें उड़ा सकता था, वह अपना बचाव कर सकता था, बस अपनी आँखें झपका सकता था और उन्हें उड़ा कर टुकड़े-टुकड़े कर सकता था, लेकिन उसने ऐसा नहीं करने का फैसला किया, न कि हिंसक तरीके से अपना बचाव करने का। इसलिए, आपके साथ ईमानदार होने के लिए, मुझे यह तथ्य पसंद है कि हमारे देश में शांतिवादी हैं। तो आप अच्छा कहते हैं, "मैं स्वयं शांतिवादी नहीं हूँ।" लेकिन मुझे यह तथ्य पसंद है कि यहां शांतिवादियों की मौजूदगी है और मुझे लगता है कि यह नमक या खमीर की तरह है। थोड़ा सा नमक; क्या आपको अपने मांस का स्वाद अच्छा बनाने के लिए उसमें थोड़े से नमक की आवश्यकता है? इसलिए मुझे लगता है कि ये लोग समाज में खमीर और नमक की तरह हैं। वे हमें याद दिलाते हैं कि शांति मसीह और चीजों का मार्ग है और हमें इसके बारे में गंभीरता से सोचने की जरूरत है।

मेरी समस्या यह है कि यदि हर कोई शांतिवादी है, तो क्या किसी को इन लोगों की रक्षा करने की आवश्यकता है? नहीं मैं गम्भीर हूँ। मेरा मतलब है कि अगर हर कोई शांतिवादी होता, तो हिटलर के साथ क्या होता ? हम सभी संभवतः जर्मन बोल रहे होंगे। इसलिए, मेरा मानना है कि आपको इसे हर किसी पर लागू करने की कोशिश में वास्तव में सावधान रहना होगा क्योंकि दुनिया में बुराई है और कभी-कभी शांतिवादी तरीकों से बुराई का विरोध किया जा सकता है और कभी-कभी किसी को कुछ करना पड़ता है।

प्रश्न : यदि हर कोई शांतिवादी है, तो क्या उसमें हिटलर भी शामिल नहीं होगा?

यदि हर कोई शांतिवादी है, तो उसमें हिटलर भी शामिल होगा। अब कोई समस्या नहीं होगी। समस्या यह है कि दुनिया में बुराई है। आपके पास हिटलर जैसे लोग हैं। आप लोग स्टालिन जाना चाहते हैं? या माओ? मेरा मतलब है कि माओ ने चीन में 60 मिलियन लोगों को मार डाला। क्या दुनिया में बुराई है? और जब आपके पास दुनिया में बुराई होती है, तो कभी-कभी आपके पास सत्ता में लोग होते हैं और वे बुरे काम करते हैं और उन्हें रोकने की आवश्यकता होती है। वैसे हमारे पास पुलिसवाले हैं क्या? क्या पुलिसकर्मी बुरी घटनाओं को रोकने के लिए बल का प्रयोग करते हैं? यदि आपके पास कोई पुलिसकर्मी न हो तो क्या होगा? मैं इसके बारे में सोचना भी नहीं चाहता।

बस युद्ध सिद्धांत

मुझे यह सिर्फ युद्ध सिद्धांत पसंद है। ये वे लोग हैं जो कहते हैं कि उचित कारण के लिए युद्ध में जाना ठीक है। तो फिर आपको पूछना होगा कि एक अच्छा कारण क्या है? मुझे लगता है कि अधिकांश लोग स्वीकार करेंगे, जब हिटलर हावी हो रहा था और जर्मनी में जा रहा था और 6 मिलियन यहूदियों को मार रहा

था, कि इस आदमी को बलपूर्वक या किसी भी आवश्यक तरीके से रोकने की जरूरत थी। हिटलर को रोकना ही था। इसलिए अधिकांश लोग स्वीकार करेंगे कि यह एक अच्छा कारण था। फिर तुम युद्ध में जाओ। तो फिर एक अच्छा कारण क्या है? एक देश हमें तेल बेचना बंद कर देता है। क्या हमें उन पर बमबारी करने का अधिकार है क्योंकि वे अब हमें तेल नहीं बेचेंगे? नहीं, हम कहते हैं कि यह एक अन्यायपूर्ण कारण होगा जो कि केवल एक भौतिकवादी कारण होगा। यह पूरी तरह से अस्वीकार्य है। निस्संदेह, अमेरिका में यह एक समस्या होगी। क्या यहोशू बताता है कि कुछ युद्ध सही हैं? क्या यहोशू युद्ध करने गया था? जब यहोशू ने वादा किए गए देश को लेने के लिए जॉर्डन नदी पार की, तो क्या उसने युद्ध के द्वारा वादा किए गए देश को ले लिया?

मुझे हमेशा लोग यह कहकर चिढ़ाते हैं कि युद्ध कोई समाधान नहीं है। मैं देखता हूं और कहता हूं, तुम्हें यह कैसे पता? आप यह कैसे जानते हैं? क्या युद्ध कभी-कभी उत्तर होता है? क्या युद्ध हमें कभी-कभी उत्तर प्रदान करता है? और जवाब है हाँ। यहोशू जेरिको गया और परमेश्वर के आदेश पर भूमि ले ली। युद्ध समाधान का हिस्सा था। इसलिए आप ये महान सामान्यीकरण नहीं कर सकते: युद्ध इसका उत्तर नहीं है। आप वह बयान इसलिए नहीं दे सकते क्योंकि आप यह नहीं जानते। तो आपको इनमें से कुछ चीजों के बारे में सोचने की जरूरत है, जोशुआ युद्ध में गया।

मुझे एक्लेसिएस्टेस पसंद है। आप लोग एक्लेसिएस्टेस 3 पढ़ रहे होंगे। इसमें कहा गया है कि किस चीज़ का एक समय है? हर चीज़ का एक समय और एक मौसम होता है। क्या शांति का कोई समय है? एक समय होता है शांति का और एक समय होता है किस युद्ध का। प्यार का भी एक समय होता है और प्यार का भी एक समय होता है, सोचो क्या? घृणा। और इसमें इसका उल्लेख है और आप कहते हैं कि नफरत करना कभी भी सही नहीं है। नहीं, वास्तव में नया नियम हमें बुराई से घृणा करने के लिए कहता है।

अब फिर से हमारी संस्कृति में हम हर किसी से प्यार करते हैं। लेकिन बाइबल कहती है कि जो बुराई है उससे नफरत करो। और इसलिए मुझे एक्लेसिएस्टेस का यह अंश पसंद है क्योंकि वहां ज्ञान है। "शांति का समय है और युद्ध का भी समय है।" यदि आप उन दोनों समयों को मिला देंगे तो आप मुसीबत में पड़ सकते हैं। तो यह एक दिलचस्प मार्ग है। ईश्वर स्वयं को एक योद्धा के रूप में चित्रित करता है। जब वह उन्हें लाल सागर के पार ले गया, तो भगवान ने खुद को इसराइल का नेतृत्व करने वाले एक योद्धा के रूप में चित्रित किया और यह निर्गमन अध्याय 15 में स्पष्ट रूप से कहा गया है। इसलिए भगवान योद्धा की कल्पना का उपयोग करते हैं और खुद को इस तरह चित्रित करते हैं।

भजन 18 में भी, बड़ा भजन, भगवान योद्धा है। तो एक संपूर्ण विषय यह है कि भगवान एक योद्धा है। अब, क्या हम अपने सभी विषयों में ईश्वर राजा है, क्या हम इस बात पर जोर देते हैं कि ईश्वर राजा है? ईश्वर राजा है इस पर जोर दिया गया है। ईश्वर की संप्रभुता पर बल दिया गया है। मुझे इस बात पर हंसी आती है कि यह एक तरह की विडंबना है कि कोई भी इस तथ्य का उल्लेख नहीं करता है कि भगवान को अक्सर एक योद्धा के रूप में चित्रित किया जाता है जो अपने लोगों को जीत की ओर ले जाता है - सैन्य जीत। फिर भी भगवान के योद्धा होने के विषय को कम महत्व दिया गया है क्योंकि हम फिर से हर किसी से प्यार करते हैं, शांति, सद्भाव और इस तरह की बयानबाजी। वह जो कह रहा है वह यह है कि नहीं, दुनिया में कुछ बुरा चल रहा है और कभी-कभी इसमें भगवान भी शामिल हो जाते हैं।

यीशु का दृष्टिकोण क्या है? अब आप कहते हैं, "ठीक है, यीशु ने दूसरा गाल आगे कर दिया। यीशु ने शांति और सद्भाव कहा।" लेकिन प्रकाशितवाक्य की पुस्तक में यीशु का चित्रण क्या है? प्रकाशितवाक्य अध्याय 19 श्लोक 15 और उसके बाद की पुस्तक में, यीशु दूसरी बार वापस आता है और जब यीशु प्रकाशितवाक्य की पुस्तक में दूसरी बार वापस आता है तो क्या वह नम्र और सौम्य यीशु है? नहीं, उसके मुँह से तलवार निकलती है। अब मैंने वास्तव में यहां हमारे चैपल में एक व्यक्ति को यह कहते हुए सुना है और यह मेरे लिए पूरी तरह से बेतुका था, उसने कहा, "तलवार सत्य और न्याय है। यीशु के मुँह से निकलने वाली तलवार सत्य और न्याय है।"

क्या आप बाइबल से वह सब कहलवा सकते हैं जो आप उससे कहलवाना चाहते हैं? क्या वह वैध है? जब कोई बाइबल को इस प्रकार तोड़-मरोड़कर पेश करता है, तो क्या आप चुपचाप बैठे रहते हैं?

सबसे पहले तलवार की कल्पना है। क्या हम सत्य और न्याय की बात कर रहे हैं? तलवार के सन्दर्भ में यह कहा गया है कि तलवार लोगों को मारने के लिए उसके मुँह से निकली थी। यह आर्मागिडन की लड़ाई है और तलवार लोगों को मार रही थी। तो यह कहना सत्य और न्यायसंगत है कि यह व्यक्ति ऐसी बातें बना रहा है। मैं जो कह रहा हूँ वह यह है कि यह तलवार के संदर्भ में फिट नहीं बैठता है। यीशु हर-मगिदोन की लड़ाई में लोगों को मार रहा था। इसलिए जब वह दूसरी बार आएगा तो क्रूस पर यीशु का मारा जाना नम्र और सौम्य नहीं होगा। जब वह दूसरी बार वापस आता है तो वह राजा के रूप में शासन करने के लिए आता है और अपने शत्रुओं का विनाश करके अपना शासन स्थापित करता है। अब आपको यह पसंद है या नहीं, इसका वर्णन किया जा रहा है। मैं जो कह रहा हूँ वह यह है कि सावधान रहें। क्या आपने देखा कि जब यीशु पहली बार आये तो वे कैसे चाहते थे कि एक राजा शासन करे? जब यीशु शुरू में आए तो वे चाहते थे कि रोमन जुए को उखाड़ फेंकने के लिए एक राजा शासन करे? वे यही चाहते थे और यीशु शांति से आये। मेरा

अनुमान है कि जब यीशु दूसरी बार आएंगे तो हम इस प्यारे-प्यारे टेडी-बियर लैम्ब-ऑफ-गॉड शांतिवादी यीशु को चाहेंगे, लेकिन वह शासन करने आ रहे हैं और वह सत्ता में आ रहे हैं। इसलिए सावधान रहें कि आप मसीह के अपने दो आगमन को आपस में न मिला लें।

युद्ध के नियम

कोई अच्छा युद्ध कैसे लड़ सकता है? क्या कोई किसी अच्छे काम में शामिल होकर उसे बुरे तरीके से अंजाम दे सकता है? क्या कोई अच्छा युद्ध कर सकता है, जिसका कारण सही हो, लेकिन वह इसे गलत तरीके से करता हो? देखिए, आपको पूछना होगा कि एक अच्छा युद्ध कैसे लड़ा जाता है? वैसे क्या इसीलिए आपके पास जिनेवा कन्वेंशन जैसी चीजें हैं? जब आप किसी को पकड़ते हैं तो आप उन्हें केवल प्रताड़ित नहीं कर सकते और न ही मार सकते हैं। आपको उनके अधिकारों का सम्मान करना होगा, उनके कुछ अधिकार हैं। वैसे अन्य देश इसका पालन करते हैं लेकिन अब समस्या यह है कि क्या हम अन्य देशों से लड़ रहे हैं या कई बार हम अल कायदा/इस्लामिक स्टेट जैसे समूहों से लड़ रहे हैं जो सेल हैं। क्या वे जिनेवा कन्वेंशन का पालन करते हैं? नहीं, क्या वे लोगों का सिर काट देते हैं? क्या तालिबान अफगानिस्तान में हैं? अमेरिका वहां स्कूल बना रहा है ताकि उनके बच्चे स्कूल जा सकें? तालिबान क्या करता है? तालिबान का कहना है कि अगर तुम महिला या जवान लड़की हो और उस स्कूल में जाओगी तो हम तुम्हारी नाक काट देंगे। क्या आपने अफगानी लड़कियों की नाक कटी हुई तस्वीरें देखी हैं? क्या वे वास्तव में ऐसा करते हैं? आप कहते हैं कि इसके खिलाफ कानून होना चाहिए। उन्हें यह बताओ. बाइबल युद्ध में जाने के विभिन्न कारण बताती है। इसलिए मैंने कुछ कारण सूचीबद्ध किए हैं कि क्यों इज़राइल युद्ध में गया। यहां कुछ कारण दिए गए हैं जो पवित्रशास्त्र से सूचीबद्ध हैं।

युद्ध के कारण

एक तो वे जमीन लेने गये थे. परमेश्वर ने उनसे वादा किया हुआ देश लेने के लिए जॉर्डन नदी पार करने को कहा। उन्हें शहरों को जलाने के लिए सैन्य तरीके से ऐसा करना था। तो भूमि अधिग्रहण इज़राइल के लिए युद्ध में जाने का एक कारण था। ईश्वरीय आदेश, ईश्वर ने उन्हें युद्ध में जाने की आज्ञा दी और ईश्वर ने उनसे कहा कि वे अंदर जाएं और उन कनानियों का सफाया करें जिन्हें एमोरियों के अधर्म ने 400 वर्षों तक खड़ा किया था। भगवान ने कहा कि अब इस संस्कृति पर निर्णय का समय आ गया है। यदि आज कोई आता है और कहता है, "भगवान ने मुझे युद्ध करने के लिए कहा है।" प्रश्न: क्या आप कहेंगे कि वह व्यक्ति बर्बाद हो गया है? परमेश्वर अब उस तरह नहीं बोलता है जैसे वह अपने वचन के माध्यम से बोलता है।

आपको किसी के खिलाफ "भगवान ने मुझे युद्ध में जाने के लिए कहा" के बारे में वास्तव में सावधान रहना होगा।

नैतिक उल्लंघन : जब वे युद्ध में गए तो नैतिक उल्लंघन क्या था? क्या किसी को वह औरत याद है जिसे काटकर उसके 12 टुकड़े बाहर भेज दिये गये थे? वह नैतिक उल्लंघन था. लोग नैतिक रूप से स्तब्ध थे कि इस महिला को काट दिया गया था और इसलिए वे बिन्यामीन जनजाति के खिलाफ युद्ध में चले गए। इस नैतिक उल्लंघन के कारण उन्होंने बिन्यामीन के गोत्र को लगभग मिटा दिया। इस महिला के साथ बलात्कार करना और उसकी हत्या करना और फिर इस आदमी द्वारा उसके टुकड़े-टुकड़े करना और इसी तरह की चीजें करना और उसे बाहर भेजना। वह नैतिक उल्लंघन था.

अपमान, दाऊद यहाँ अम्मोनियों के साथ अपमान के लिए युद्ध करने जाता है और यह एक प्रकार की दिलचस्प बात है। अम्मोनियों का राजा मर जाता है, इसलिए दाऊद ने बेटे से कहा, "तुम्हारा पिता एक अच्छा आदमी था, और मैं तुम्हें यहां कुछ कर भेजना चाहता हूँ और मैं तुम्हारे साथ अच्छा व्यवहार करना चाहता हूँ जैसा मैं तुम्हारे पिता के साथ था। मैं आपके साथ गठबंधन बनाना चाहता हूँ जैसा कि मैंने आपके पिता के साथ किया था।" खैर, यहाँ का युवा बच्चा कहता है, "मेरे पिता मर चुके हैं। आप उन लोगों को यहां इसलिए नहीं भेज रहे हैं क्योंकि आप मेरा समर्थन करना चाहते हैं, आप उन्हें इसलिए भेज रहे हैं क्योंकि वे जासूस हैं। वे ज़मीन की जासूसी कर रहे हैं।" तो वह क्या करता है वह कहता है ठीक है। इसलिये दाऊद ने अपने सब बड़े पुरनियों को वहां भेजा। उनके बुजुर्ग शाही पोशाक के साथ आते हैं और यहां का युवा राजा कहता है, "ठीक है, उन लोगों को अपनी आधी दाढ़ी कटवा दीजिए।" आप देख रहे हैं कि वह जो करने की कोशिश कर रहा है वह उन्हें उनकी दाढ़ी से अपमानित करना है, "उनकी आधी दाढ़ी काट देना और उनके नितंबों से उनके वस्त्र काट देना।" तो मूल रूप से ये लोग ऐसे कपड़े पहनकर घर वापस आ रहे हैं जो उनके शरीर का केवल एक हिस्सा ही ढकते हैं, इसलिए यह पूरी तरह से अपमान है। तब डेविड का अपमान होता है और फिर वह योआब को अम्मोनियों के खिलाफ युद्ध में जाने के लिए भेजता है और तभी डेविड और बथशेबा की कहानी उस अपमान, उस नैतिक अपमान के परिणामस्वरूप घटित होती है।

रक्षा एक बड़ी बात है. मोआबियों, अम्मोनियों और पलिशियों से आने वाले दमनकारी शासनों द्वारा इज़राइल पर बहुत हमले किए गए और हमेशा यहूदियों पर हमला किया गया। इसलिए अपनी रक्षा के लिए वे बचाव में युद्ध में जाते हैं। इस्राएलियों को मोआबियों को कर देने का आदेश दिया गया और मोआबी राजा अंदर आता है और कहता है कि तुम्हें मुझे कर देना होगा। इसराइल का कहना है, "हम श्रद्धांजलि नहीं देना चाहते."

वैसे यह अमेरिका की तरह है, प्रतिनिधित्व के बिना कोई कराधान नहीं। हमें राजा के उत्पीड़न से विद्रोह और अमेरिकी क्रांति की आवश्यकता है चाहे वह वैध हो या नाजायज। मेरा मतलब बड़ा सवाल है लेकिन कराधान या विभिन्न चीजों के माध्यम से दूसरे लोगों द्वारा उत्पीड़ित होने की यह धारणा।

फिर अंत में, इज़राइल दूसरों की मदद करने के लिए युद्ध में जाता है और कभी-कभी इज़राइल दूसरे समूह को उत्पीड़कों से बचाने में मदद करने के लिए युद्ध में जाता है। इसलिए इज़राइल कभी-कभी दूसरों की मदद करता है। तो युद्ध में जाने के ये सभी कारण थे।

अब इनमें से प्रत्येक के अपने फायदे और नुकसान हैं। उनमें से प्रत्येक में आपको यह जानने के लिए बहुत अधिक विवेक की आवश्यकता है कि इसे कब लागू करना है, लेकिन ये कुछ कारण हैं जिनकी वजह से युद्ध हुआ।

निवारक युद्ध

अब यहाँ एक है जो अमेरिका के लिए नया है और इसे प्रिवेंटिव वॉर कहा जाता है। मुझे यकीन नहीं है कि मैं इस बारे में कैसा महसूस करता हूँ; इसका एक हिस्सा वास्तव में मुझे परेशान करता है। दूसरे शब्दों में कहें तो आप पहले हमला करते हैं ताकि वे आप पर हमला न करें। अब मैं जिस बारे में बात कर रहा हूँ, उसे जितना मुझे होना चाहिए उससे अधिक स्पष्ट होना चाहिए। ईरान परमाणु हथियार विकसित करने की कोशिश कर रहा है। इज़रायल का कहना है, "अगर ईरान को परमाणु हथियार मिल गया तो क्या वे इसका इस्तेमाल हम पर करेंगे।" यदि उन्होंने पहले ही कहा था कि वे इज़राइल को मानचित्र से मिटाने की कोशिश करने जा रहे हैं, तो मेरा मतलब है कि वे उनके नेताओं के स्पष्ट बयान हैं। "हम इज़राइल को नष्ट करने की कोशिश करने जा रहे हैं।" इसलिए, क्या इज़राइल आगे बढ़ेगा और परमाणु हथियार बनाने से पहले उन्हें नष्ट कर देगा या इज़राइल वहाँ बैठेगा और कहेगा, "ठीक है, हम बस तब तक इंतजार करेंगे जब तक वे परमाणु हथियार नहीं बनाते और फिर हम जवाब देंगे"? इसमें दिक्कत क्या है? वे परमाणु कार्य करते हैं और क्या यह संभव है कि प्रतिक्रिया देने के लिए कोई नहीं होगा क्योंकि हर कोई मर जाएगा, या बहुत सारे लोग मर जाएंगे और इसलिए वे प्रतिक्रिया देने में सक्षम नहीं होंगे। तो क्या आप पहला स्ट्राइक टाइप काम करते हैं? ये बहुत पेचीदा सवाल है। यह निवारक युद्ध है और मुझे यकीन नहीं है कि मैं इसके बारे में और चीजों के बारे में क्या सोचता हूँ।

भविष्य में आप लोगों को जिन समस्याओं का सामना करना पड़ेगा, वे हैं: पुराने दिनों में आपके पास ऐसे देश थे जो दूसरे देशों के साथ युद्ध कर रहे थे, है ना? अब क्या समस्या है? क्या यह देश देश के खिलाफ जा रहा है? नहीं, यह छोटे समूह हैं जो छोटे समूहों के विरुद्ध जा रहे हैं। आपके पास अल-कायदा समूह हैं,

आपके पास हमास समूह हैं, और आपके पास हिजबुल्लाह समूह हैं। ये समूह अमेरिका में भी ऐसी कोशिकाओं के साथ आते हैं जो हर तरह के घृणित कार्य करने के लिए बुलाए जाने के लिए तैयार रहते हैं। तो भविष्य की समस्याएँ, यदि आपके पास शहरों में परमाणु हथियार हैं तो आप क्या करेंगे? अचानक उन्होंने दावा किया कि उन्हें न्यूयॉर्क शहर में परमाणु बम मिला है, आप क्या करने जा रहे हैं? यदि उनके पास न्यूयॉर्क शहर, वाशिंगटन और फिलाडेल्फिया में परमाणु बम हो तो क्या होगा? आप क्या करने जा रहे हैं? बोस्टन? वे उन चार शहरों को चुनते हैं। आप क्या करने जा रहे हैं? वे एक को उड़ा देते हैं और फिर कहते हैं, “हमें तीन अन्य मिले हैं। आपके घुटनों पर अमेरिका!” आप क्या करने जा रहे हैं?

तो ये प्रमुख प्रश्न हैं, अब कुछ बड़ी समस्याएं हैं क्योंकि हथियार बहुत अधिक शक्तिशाली हो गए हैं और इनमें से कुछ समूहों के पास अब कोई राष्ट्रीय पहचान नहीं है। आपने ऐसे लोगों को, ऐसे लोगों को, जो सैन्य पोशाक नहीं पहनते हैं, बाहर निकाल दिया है। वे किसी देश का प्रतिनिधित्व नहीं कर रहे हैं, और वे केवल अपनी स्वयं की अजीब विचारधारा को बढ़ावा दे रहे हैं। उन्हें ऐसा लगता है कि वे लोगों को मार सकते हैं। तो उन देशों के व्यक्तियों के वैचारिक समूह हैं और आप उनके खिलाफ युद्ध कैसे लड़ते हैं? आप ऐसे व्यक्तियों के खिलाफ युद्ध कैसे लड़ते हैं जो किसी देश से जुड़े नहीं हैं? आप लोगों को इसका पता लगाना होगा। यह आपकी पीढ़ी है जिसे इसका पता लगाना होगा। यह ऐसा है जैसे यह पहले कभी नहीं हुआ। ये नई चीजें हैं और दांव ऊंचे होते जा रहे हैं।

मैं इसे बिल्कुल स्पष्ट कर दूँगा। मेरा अनुमान है कि आप अपने जीवनकाल में ऐसी चीजें देखने जा रहे हैं जो मैंने अपने जीवनकाल में देखी गई चीजों से फीकी होंगी। इससे ऐसा लगेगा जैसे यह कुछ भी नहीं है। यह आपके जीवनकाल में आने वाला है क्योंकि अब इन सभी चीजों को करने की क्षमता है और अब आपको बस एक पागल व्यक्ति की जरूरत है जो कुछ बुरे काम कर रहा हो। पहले बुरी बात यह थी कि अगर किसी आदमी के पास बंदूक है, तो क्या वह एक बात है? जब आप परमाणु हथियारों के साथ काम करना शुरू करते हैं और आप जैविक हथियारों के साथ काम कर रहे होते हैं, जब आप इन सभी अन्य चीजों के साथ काम करना शुरू करते हैं तो यह पूरी आबादी को तबाह कर सकता है। क्या लोग इतने पागल हैं कि ऐसा करें? खैर, जब आप दो विमानों को किसी इमारत में उड़ते हुए देखते हैं, तो क्या लोग ऐसा करने के लिए पागल हो जाते हैं? क्या वे अपनी हत्या पर विश्वास करते हैं? यह बहुत दुखद है, लेकिन जैसा कि मेरे बेटे की कक्षा में कोई कहता है, "इससे कोई फर्क नहीं पड़ता, इससे मुझे कोई परेशानी नहीं होती, बस सुनिश्चित करें कि मैं टीवी देख सकता हूँ और मैं ठीक हूँ।" असल में उसकी कक्षा में किसी ने ऐसा कहा था और यह बच्चा शायद 19-20 साल का था। क्या यही समस्या है? समय पर जागना। सावधान रहें, आपकी

पीढ़ी को यहां कुछ बड़े फैसलों का सामना करना है।

यहोशू 1:8

अब यहोशू की पुस्तक इस प्रकार खुलती है और हम इसी नोट पर इसे समाप्त करना चाहते हैं। यह एक सकारात्मक नोट है जो फिर वापस आ रहा है। “व्यवस्था की यह पुस्तक तुम्हारे मुख से उतरने न पाए; दिन रात उस पर ध्यान करो, ताकि तुम उस में लिखी हुई हर बात को करने में चौकसी करो। फिर तुम्हारी गिनती संपन्न और सफल लोगों में होगी।” समृद्धि और सफलता ईश्वर के वचन, ईश्वर के कानून पर ध्यान देने और इसे अपने जीवन में लागू करने पर आधारित है। तो यहोशू की किताब इस तरह से शुरू होती है, एक तरह से खुद को कानून से जोड़ती है और कहती है कि भगवान के वचन पर ध्यान करो। यह एक महत्वपूर्ण बात है और अच्छी बात यह है कि हमने जोशुआ में काम पूरा कर लिया है।

न्यायाधीश: उनकी भूमिकाओं का विवरण

अब, हम यहां न्यायाधीशों के पास जा रहे हैं और हम न्यायाधीशों की शुरुआत करेंगे। हम एक तरह की नई थीम चुनने जा रहे हैं। पुराने नियम में मूसा एक प्रकार का बड़ा व्यक्ति था। यहोशू, उसका शिष्य, फिर मूसा का अनुसरण करता है। जब आप कहते हैं कि यहोशू मूसा के स्तर तक पहुंच गया है, तो उनकी तुलना कई तरीकों से की गई, लेकिन यहोशू थोड़ा नीचे है।

अब न्यायाधीशों का काल इजराइल में विखंडन और अराजकता का काल बनने जा रहा है। हमारे पास ये सभी छोटे जज हैं जो अपना काम कर रहे हैं। न्यायाधीशों की पुस्तक में मुख्य विषय यह होगा कि "हर किसी ने वही किया जो उनकी अपनी दृष्टि में सही था।" न्यायाधीशों की पुस्तक एक संक्रमणकालीन पुस्तक होने जा रही है। न्यायाधीशों की पुस्तक एक संक्रमण है; इस्राएल में कोई राजा नहीं था। तो न्यायाधीशों की पुस्तक 200 साल की अवधि से आगे बढ़ती है, या लगभग, यह कहती है कि एक राजा के लिए एक आंदोलन होने वाला है। अब न्यायाधीशों के काल में वास्तव में राजा कौन होता है? भगवान राजा है। न्यायाधीशों के काल में ईश्वर ही राजा है। ये सभी न्यायाधीश ईश्वर के अधीन प्रशासन करते हैं और विजय प्राप्त करते हैं और विभिन्न तरीकों से ईश्वर इन न्यायाधीशों को ऊपर उठाता है। लेकिन ईश्वर मुख्य रूप से राजा है और इजराइल फिर एक मानव राजा की ओर बढ़ने जा रहा है जैसा कि व्यवस्थाविवरण 17 में मूसा ने भविष्यवाणी की थी।

अब जज से मिलें। मूसा ने व्यवस्थाविवरण की पुस्तक के अध्याय 16 से 18 में संस्थाओं की स्थापना की। उसने इजराइल की संस्थाओं की स्थापना की और संस्थाओं में से एक यह न्यायपीठ थी। न्यायाधीश को दो काम करने थे: 1. उसे न्याय वितरित करना था। उसे देश में न्याय वितरित करना होगा। विशेष रूप से

न्याय की आवश्यकता किसे है? - गरीब, अनाथ, और विधवा। क्या उन्हें न्याय चाहिए? इसलिए न्यायी को अनाथों और विधवाओं को लेना था, और न्याय देकर न्याय करना था, कि विधवा और अनाथों को भी न्याय मिल सके। 2. और न्यायाधीश को दुल्हन न लेनी थी। धन और न्याय को अलग किया जाना था। न्यायाधीश को रिश्वत नहीं लेनी थी। इसलिए मूसा ने इस चीज़ को स्थापित किया।

हालाँकि, जब आप न्यायाधीशों की पुस्तक पढ़ते हैं, तो क्या कोई न्यायाधीश अदालत में मामले निपटाते हुए बैठा था? नहीं, तो मूसा ने किस प्रकार की चूकों का वर्णन किया है, न्यायाधीशों की पुस्तक क्या करती है। अधिकांश जज क्या कर रहे हैं? असल में, न्यायाधीश और क्या हैं? - सैन्य उद्धारकर्ता। इसलिए न्यायाधीशों की पुस्तक में, सैमसन अदालती मामलों में इधर-उधर नहीं बैठा है, वह पलिशितियों पर हमला कर रहा है। इसलिए सैन्य उद्धारकर्ता इज़राइल को युद्ध की ओर ले जा रहे हैं। न्यायाधीश अध्याय 2:16 इसका वर्णन करता है, मुझे बस इसे पढ़ने दीजिए, "तब प्रभु ने न्यायाधीशों को खड़ा किया..." और न्यायाधीशों ने क्या किया? "...जिन्होंने उन्हें इन हमलावरों के हाथों से बचाया।" इसलिए न्यायाधीश की भूमिका मुक्तिदाता की थी। वह इस्राएल को इन उत्पीड़कों के हाथों से बचाने वाला एक उद्धारकर्ता, एक प्रकार का "उद्धारकर्ता" था। इसलिए वे वास्तव में एक सैन्य उद्धारकर्ता की भूमिका निभाते हैं और इसे लगभग एक आदिवासी या क्षेत्रीय सरदार के रूप में देखने का एक और तरीका है। इसका एहसास होना जरूरी है। जब आप न्यायाधीशों की पुस्तक पढ़ते हैं, तो आप एक न्यायाधीश से दूसरे न्यायाधीश के पास नहीं जा सकते। वे आवश्यक रूप से कालानुक्रमिक क्रम में नहीं हैं और वे ओवरलैप होते हैं। वे क्षेत्रीय क्षेत्रों में हैं, वे क्षेत्रीय सरदार हैं। इसलिए, इसलिए, सैमसन यिप्तह के साथ ही जा रहा होगा, यिप्तह यहां जॉर्डन में है, सैमसन यहां है और इसलिए वे विभिन्न क्षेत्रों में न्याय करते हैं।

न्यायाधीश एक-दूसरे को ओवरलैप कर सकते हैं क्योंकि वे सभी एक-दूसरे से अलग-अलग क्षेत्रों में हैं। वे छोटे सरदार या आदिवासी सरदार हैं, और वे 40 वर्षों तक शासन करते हैं, 80 वर्षों तक शासन करते हैं या 20 वर्षों तक शासन करते हैं और ऐसे ही कई बार शासन करते हैं। वे एक छोटे सरदार के रूप में शासन करेंगे।

जोशुआ और न्यायाधीशों के बीच संघर्ष

अब हर पीढ़ी इसमें भाग लेती है। जोशुआ और न्यायाधीशों की पुस्तक के बीच एक दिलचस्प संघर्ष है, और मैं इसे सामने लाना चाहता हूँ। यहोशू की पुस्तक के अंत में, यहोशू 21, यदि आप श्लोक 43 को देखते हैं, तो यह दिलचस्प है कि यहोशू कैसे यह प्रतिबिंबित कर रहा था कि यहोशू 21.43-45 में कहा गया है, "इस प्रकार प्रभु ने इस्राएल को वह सारी भूमि दे दी जिसे उसने उनके पूर्वजों को देने की शपथ खाई थी।

।" क्या यह कथन सत्य है? "यहोवा ने इस्राएल को वह सारा देश दे दिया जिसे देने की उस ने उनके पुरखाओं से शपथ खाई थी, और उन्होंने उस पर अधिकार कर लिया और वहीं बस गए। जैसा उस ने उनके पुरखाओं से शपथ खाई थी, वैसा ही यहोवा ने उन्हें चारों ओर से विश्राम दिया। उनके शत्रुओं में से एक भी उनका सामना नहीं कर सका। . यहोवा ने उनके शत्रुओं को उनके वश में कर दिया। इस्राएल के घराने के लिये यहोवा के सभी अच्छे वादों में से एक भी पूरा नहीं हुआ, सभी पूरे हुए।" क्या वह सच है?

यहोशू का कहना है कि हमने सारी ज़मीन ले ली। प्रश्न: क्या यहोशू के बाद पलिशती अभी भी देश में थे? शिमशोन पलिशतियों से लड़ता है। यबूस शहर, यरूशलेम शहर के बारे में क्या? क्या यहोशू के बाद यबूसियों का यरूशलेम नगर पर अधिकार हो गया? हां, उन्होंने इसे ले लिया, लेकिन जाहिरा तौर पर यबूसियों को यह वापस मिल गया। बाद में यरूशलेम शहर को वास्तव में कौन ले जाएगा? डेविड इसे लेता है। यह सैकड़ों वर्षों के बाद है जब दाऊद ने यरूशलेम शहर पर अधिकार कर लिया। यबूसियों के पास यह था। तो क्या यहोशू कह सकता है कि उसने सारी ज़मीन इसी तरह ले ली?

खैर, वास्तव में, यदि आप न्यायाधीशों की पुस्तक पर जाएं, तो न्यायाधीश एक और दृष्टिकोण प्रस्तुत करते हैं। न्यायाधीश अध्याय 1.19, न्यायाधीश 1.19 के तीन या चार पृष्ठ पलटें। "यहोवा यहूदा के लोगों के साथ था, उन्होंने पहाड़ी देश पर कब्ज़ा कर लिया, लेकिन वे लोगों को मैदानी इलाकों से निकालने में असमर्थ थे क्योंकि उनके पास लोहे के रथ थे।" आपके सिर में? आप बेन हूर और ग्लेडियेटर्स को इन लोहे के रथों के साथ लोगों को कुचलते हुए देखते हैं। क्या आपको पता है कि इज़राइल में वे अपने रथों को जला देते हैं। प्रश्न: यदि आप जा रहे हैं तो रथ किस चीज से बने होते थे? रथों को जलाओ? वे लकड़ी से बने होते हैं। इसलिए जब यह कहा जाता है कि लोहे के रथों को विशाल रथों के साथ बेन हूर के रूप में नहीं सोचा जाता है। इसके बजाय कुछ स्थानों पर लोहे के सुदृढीकरण के साथ लकड़ी के रथों के बारे में सोचें। इसलिए उनके सामने लोहे की ढाल होगी और कुछ स्थानों पर लोहे से मजबूत किया गया था, लेकिन यह एक विशाल लोहे का रथ नहीं था, जिसे आप बेन हूर फिल्म में देखेंगे। इसलिए वे लोहे से मजबूत किए गए लकड़ी के रथ हैं। वैसे, क्या रथ मैदानी इलाकों में अच्छा काम करेंगे? क्या रथ पहाड़ों पर अच्छा काम करें? नहीं, आप चट्टानों से टकराने वाले हैं और आपका टायर फटने वाला है। पहाड़ों में, आप चट्टानों से टकराते हैं और आपके रथों पर गिरेंगे। इसलिए वे मैदानी इलाकों में अच्छा काम करते हैं। इस्राएल रथों को परास्त नहीं कर सका। तो यहोशू कहता है कि उन्होंने यह सब ले लिया, न्यायाधीश कहते हैं रुको, हमने मैदान नहीं लिया क्योंकि उनके पास लोहे के रथ थे। तो क्या आप वहां संघर्ष देखते हैं?

तो आप अच्छा बताएं कौन सा सही है? यहाँ यह जारी है, मुझे इसे जोशुआ के साथ खत्म करने

दीजिए। यहोशू कैसे कह सकता है कि हमने सारी ज़मीन ले ली, सारे वादे पूरे कर दिए गए? आपको चीजों को उनके संदर्भ में पढ़ना होगा। अपने जीवन के अंत में यहोशू सोच रहा है, क्या यहोशू ने वह सब कुछ किया जो प्रभु ने उसे करने की आज्ञा दी थी? क्या परमेश्वर ने यहोशू को उसकी कल्पना से परे आशीर्वाद दिया? हाँ, और यहोशू अपने जीवन के अंत पर विचार कर रहा था। वैसे, जब एक बूढ़ा आदमी अपने जीवन के अंत पर विचार करता है तो वह पीछे मुड़कर देखता है और देखता है कि भगवान ने उसके लिए क्या-क्या अच्छे काम किए हैं। अब क्या इसका मतलब यह है कि जब वह "सब कुछ" कहता है तो क्या इसका मतलब हर छोटी-छोटी बात है? नहीं, वह सिर्फ यह कह रहा है कि मूलतः भगवान ने हमें सारी सफलता दी है। हम जमीन लेने में सफल रहे और वह ये वैश्विक बयान दे रहे हैं लेकिन क्या वह पूरे जीवन पर विचार कर रहे हैं। यह एक बूढ़ा व्यक्ति है जो अपने जीवन पर विचार कर रहा है, वे पीछे मुड़कर देखते हैं और वे इसे एक निश्चित तरीके से देखते हैं। क्या किसी बूढ़े व्यक्ति के लिए ऐसा करना ठीक है? जीवन पर विचार करना और इसे सभी छोटे-छोटे विवरणों के बजाय समग्र रूप से देखना? हाँ, ऐसा करना ठीक है। तो मैं जो कह रहा हूँ वह यहोशू कह रहा है, "मैंने अपना जीवन समाप्त कर लिया। भगवान ने मुझे जो करने के लिए बुलाया था, मैंने उसे पूरा कर लिया। हमने वह सारी भूमि ले ली जो परमेश्वर ने हमें दी थी। उसके सारे वादे, सब कुछ पूरा हो गया।" यहोशू बस उसके प्रति परमेश्वर की भलाई का आनंद ले रहा था।

जोशुआ के बाद क्या हुआ, क्या चीज़ें बदल गईं? हाँ, क्योंकि देश में अभी भी प्रतिरोध के ये छोटे हिस्से हैं और फिर न्यायाधीशों की किताब को प्रतिरोध के उन हिस्सों का सामना करना पड़ता है। यह चीजों को देखने का एक अलग तरीका है। मैं क्या कह रहा हूँ। धर्मग्रंथ के एक अंश को लेने और उसे सार्वभौमिक बनाने तथा निरपेक्ष बनाने के बारे में सावधान रहें। आप जोशुआ के बहुत से कथनों को निरपेक्ष या सार्वभौमिक बनाना नहीं चाहते। वह टिप्पणियाँ कर रहा है और भव्य तरीके से। ऐसा करना ठीक है।

अब वाचा की शर्त न्यायाधीश अध्याय 2, श्लोक 20, यह कहती है: "इस कारण यहोवा इस्राएल पर बहुत क्रोधित हुआ, क्योंकि इस्राएल ने वाचा का उल्लंघन किया था।" वह सिनेटिक वाचा जो परमेश्वर ने उसके साथ सिनाई में बाँधी थी, वह वाचा आशीषों और शापों और सभी दस आज्ञाओं और परमेश्वर द्वारा दी गई सभी आज्ञाओं के साथ थी, "इज़राइल ने जो कुछ मैंने उनके पूर्वजों के लिए निर्धारित किया था उसे तोड़ दिया है और मेरी बात नहीं सुनी है।" परमेश्वर कहते हैं, "इसलिये मैं अब उन जातियों में से किसी को उनके साम्हने से बाहर न निकालूंगा जिन्हें यहोशू ने मरने के बाद छोड़ दिया था। मैं उनका उपयोग इस्राएल का परीक्षण करने के लिए करूँगा।" तो दूसरे शब्दों में, इज़राइल के अंदर अभी भी कुछ समूह हैं, भगवान कहते हैं, "मैं उन्हें अब बाहर नहीं निकालूंगा। क्योंकि उन्होंने मेरी वाचा का उल्लंघन किया है, मैं उनका

उपयोग इस्राएल को परखने के लिए करूंगा कि वे प्रभु का मार्ग अपनाएंगे या नहीं और अपने पूर्वजों की तरह उस पर चलेंगे या नहीं।” इसलिये अब उस देश के जो निवासी बच गए हैं, परमेश्वर उन्हें इस्राएल की परीक्षा लेने के लिये उपयोग करता है, यह देखने के लिये कि वे उसके पीछे चलेंगे या नहीं।

तो अब क्या होता है कि आपको पीढ़ियों के बीच परिवर्तन भी मिलता है। क्या प्रत्येक पीढ़ी को ईश्वर को जानना होगा? क्या पीढ़ियों के बीच परमेश्वर के ज्ञान में कमी आ सकती है? क्या आपकी पीढ़ी ईश्वर को वैसे ही जानती है जैसे मेरी पीढ़ी जानती है? क्या मेरी पीढ़ी ईश्वर को वैसे ही जानती है जैसे मेरे माता-पिता की पीढ़ी जानती थी? क्या प्रत्येक पीढ़ी को ईश्वर को जानने का अपना तरीका अपनाना होगा? क्या पीढ़ियों के बीच फिसलन है? मैं इसे अपने माता-पिता की पीढ़ी और अपनी पीढ़ी के बीच देखता हूँ और मुझे लगता है कि मैं इसे आपकी पीढ़ी में भी देखता हूँ।

अपने पिताओं के पास एकत्र हुए

न्यायियों अध्याय 2 पद 10 यह कहता है: "उसके बाद सारी पीढ़ी अपने-अपने बाप-दादों के पास इकट्ठी हो गई।" इस "तुम्हारे पिता के पास इकट्ठा होना" का क्या मतलब है? मुझे बस इसका वर्णन करने दीजिए। उनकी संस्कृति में जब वे किसी व्यक्ति को दफनाते हैं तो मूल रूप से उन्हें एक बेंच पर रख देते हैं। बेंच लगभग इतनी ही लंबी है, वे एक गुफा में हैं। वे एक गुफा में होते हैं, आमतौर पर छेद इतना बड़ा होता है, इसलिए आपको नीचे झुकना पड़ता है, इसलिए वे व्यक्ति को एक बेंच पर बिठा देते हैं और उसे पिज्जा की तरह सभी प्रकार के लीनेन और मसालों में लपेट दिया जाता है। उन्होंने उन्हें वहां रख दिया और फिर वह वहां है। कुछ समय के बाद क्या होता है कि व्यक्ति पिघल जाता है और विघटित हो जाता है और हड्डियाँ रह जाती हैं। एक निश्चित अवधि के बाद केवल हड्डियाँ रह जाती हैं, फिर वे क्या करते हैं - मुझे इतना रुग्ण होने के लिए खेद है, लेकिन यह वाक्यांश "अपने पिताओं के पास एकत्रित" के बारे में है। फिर वे व्यक्ति की हड्डियों को इकट्ठा करते हैं और बेंच के नीचे एक छेद करते हैं और वे क्या करते हैं, वे व्यक्ति की हड्डियों को लेते हैं और वे उस व्यक्ति की हड्डियों को नीचे के छेद में डाल देते हैं। तभी वे "अपने पिताओं के पास इकट्ठे होते हैं।" वे उस गड्ढे में हैं जहाँ वे लोग रखे गए थे जो तुमसे पहले गए थे और उन्हें वहीं डाल दिया गया था। अब "तुम अपने पुरखाओं के पास इकट्ठे हो गए हो" मैं बातें नहीं बना रहा हूँ, यह सच्चाई है। तो फिर वे अगले व्यक्ति को अंदर ले जाते हैं और फिर वे प्रतीक्षा करते हैं और वे उन्हें उनके पिता के पास इकट्ठा करते हैं। समझ आया? वे ऐसा नहीं करते जैसा हम करते हैं। हम किसी को इस तरह जमीन पर बिठाते हैं और वैसे ही करते हैं।

दरअसल, जब वे उन्हें अपने पिता के पास इकट्ठा करते हैं तो उनकी हड्डियाँ आपस में मिल जाती

हैं। यह सिर्फ हड्डियाँ हैं जो सभी मिश्रित हैं। मैंने इनमें से कुछ चीजें देखी हैं, वे सभी मिश्रित हैं। उनके पास कई कोकिल कब्रें हैं और उनके पास 8 या 10 अलग-अलग कोने हैं जो उसी तरह से चलते हैं। तो वहाँ जगह है। मेरा मतलब है और यदि जगह नहीं है तो वे दूसरी बेंच लगा देंगे, लेकिन इसलिए वहाँ एक से अधिक बेंच हैं। इसलिए वे कई लोगों को संभाल सकते हैं। क्षमा करें, चलिए इसे छोड़ देते हैं।

परन्तु दूसरी बात जो परमेश्वर कहता है वह यह है कि वे अपने पिताओं के पास इकट्ठे हो जाएं। मैं इस अध्याय 2 श्लोक 10 पर वापस जाता हूँ, "उस सारी पीढ़ी के अपने पिता के पास इकट्ठा होने के बाद, एक और पीढ़ी बड़ी हुई जो न तो प्रभु को जानती थी और न ही यह जानती थी कि उसने इस्राएल के लिए क्या किया था।" दूसरे शब्दों में, उन्हें लाल सागर को पार करना याद नहीं था। उन्होंने वह नहीं देखा। उन्हें जमीन कब्जे की याद नहीं, उन्होंने देखा नहीं। इसलिए जैसे-जैसे यह नई पीढ़ी बड़ी हो रही है, उन्होंने कभी नहीं देखा कि भगवान ने लोगों के लिए क्या किया है और भगवान इसे इंगित करते हैं। अध्याय 3 श्लोक 1 में कहा गया है, "ये वे राष्ट्र हैं जिन्हें प्रभु ने उन सभी इस्राएलियों का परीक्षण करने के लिए छोड़ा था जिन्होंने कनान में किसी भी युद्ध का अनुभव नहीं किया था। उसने ऐसा केवल इस्राएलियों के वंशजों को युद्ध सिखाने के लिए किया, जिन्हें पहले युद्ध का अनुभव नहीं था।" इसलिए वह उन्हें ज़मीन पर छोड़ने का एक कारण यह है कि हर पीढ़ी को यह सीखने की ज़रूरत है कि युद्ध में अपनी रक्षा कैसे करें। इसलिए उनका कहना है कि आंशिक रूप से उन्हें वहाँ छोड़ने का कारण यह है कि वे यह भी सीखें कि अपनी रक्षा के लिए युद्ध में कैसे जाना है। इसलिए वह उन्हें उस उद्देश्य के लिए भूमि पर छोड़ देता है।

जजों का चक्र

न्यायाधीशों की पुस्तक का एक मुख्य विषय एक राजा की आवश्यकता है। न्यायाधीशों की पुस्तक अराजकता का काल है और यह इस्राएल पर शासन करने के लिए एक राजा की आवश्यकता की ओर इशारा करती है। इसलिए जज इसी ज़रूरत की ओर इशारा कर रहे हैं। न्यायाधीशों के साथ अराजकता है और पूरी तस्वीर में सामंजस्य की आवश्यकता है। मुख्य विषय यह है: "हर किसी ने वही किया जो उनकी अपनी नज़र में सही है" और इसलिए यह अराजकता है। सब अपना-अपना काम कर रहे हैं। कुछ परिचित सी आवाजें आ रही हैं ना। "हर कोई वही करता है जो उसकी नज़र में सही है।" यह न्यायाधीश चक्र है।

यह साहित्यिक चक्र है और हम वास्तव में इस चक्र से गुजरेंगे। न्यायाधीशों की पुस्तक में यह साहित्यिक चक्र होगा। इसकी शुरुआत इस प्रकार होगी: लोग बाल देवताओं और अशेरा देवताओं की सेवा करेंगे। अशेरा स्त्री थी, बाल नर था और यह वास्तव में सभी प्रकार की भ्रष्ट प्रथाओं के बीच है। हम वास्तव में बाल पूजा के बारे में बहुत कुछ जानते हैं। हम जानते हैं कि यह बहुत भ्रष्ट पूजा है। देवता युद्ध करते हैं और वे

एक दूसरे को मारते हैं, वे उन्हें आधे में काटते हैं और वे भाग लेते हैं और आधे समुद्र और आधे भूमि के साथ बनाते हैं। तो इन देवताओं के साथ वास्तव में बहुत सारी क्रूर और असभ्य चीजें हैं, साथ ही साथ वास्तव में अनैतिक प्रथाएं भी हैं। लोग वास्तव में बाल के पीछे जाते हैं; परमेश्वर उन्हें बचाता है, यहोवा उन्हें बचाता है, परन्तु वे बाल देवताओं के पीछे चले जाते हैं। जब वे ऐसा करते हैं तो परमेश्वर परेशान हो जाता है और इसलिए परमेश्वर उन्हें अम्मोनियों के हाथों में बेच देता है, और वह उन्हें अन्य शत्रुओं के हाथों में बेच देता है।

फिर क्या होता है? जब वे मोआबियों, अम्मोनियों और अन्य लोगों के हाथ में बिक जाएं, तब पश्चात्ताप करके परमेश्वर की दोहाई देना। वे यहोवा की दोहाई देते हैं और पश्चात्ताप करते हैं। लोग पश्चात्ताप करते हैं; वे यहोवा की दोहाई देते हैं। अब उनके पश्चात्ताप करने के बाद क्या होता है, यह तब होता है जब भगवान नरम पड़ जाते हैं और भगवान एक न्यायाधीश को खड़ा कर देते हैं। परमेश्वर एक न्यायाधीश को खड़ा करता है, और यह तब होता है जब लोगों के पश्चात्ताप के बाद न्यायाधीश शामिल हो जाता है और फिर न्यायाधीश को ऊपर उठाया जाता है। फिर क्या होता है, जज विजयी होता है और जज को x वर्षों तक आराम दिया जाता है, बीस साल, चालीस साल या अस्सी साल तक आराम होता है। वहां शांति है, सद्भाव है जबकि भगवान उस न्यायाधीश को आशीर्वाद देते हैं। उन्होंने अपने शत्रुओं को हरा दिया, और अब उनके पास शांति का समय है।

एहुद

अब यह न्यायाधीशों का चक्र है। न्यायाधीशों को पढ़ने के बाद, क्या आपको न्यायाधीशों में चलने वाले इस प्रकार के चक्र की याद आती है? अब हम मिनी-साइकिल के लिए एहुद करने जा रहे हैं। एहुद एक बहुत ही खास आदमी है। एहुद हमारा पहला जज बनने जा रहा है जिसे हम देखते हैं और यह एक मिनी-साइकिल होगी। हम यहां एक अध्याय से भी कम समय में पूरे चक्र को देख पाएंगे। अध्याय 3 श्लोक 12 में कहा गया है। "एक बार फिर इस्राएलियों ने यहोवा की दृष्टि में बुरा किया, और उनके इस बुरे काम के कारण यहोवा ने मोआब के राजा एग्लोन को इस्राएल पर अधिकार दे दिया।"

अतः इस्राएल ने यहोवा की दृष्टि में बुरा किया, उसका प्रतिफल क्या हुआ? प्रतिशोध यह था कि परमेश्वर ने उन्हें मोआब के राजा एग्लोन के हाथ में बेच दिया। अब हम मोआब के राजा एग्लोन के विषय में क्या जानते हैं? हम उसके बारे में एक बात जानते हैं, वह क्या है? हाँ, बाइबल में विस्तार से वर्णन किया गया है कि यह व्यक्ति अधिक वजन वाला, मोटा है। अब अमेरिका में जब आप अधिक वजन, मोटापे के बारे में सोचते हैं तो आप नकारात्मक सोचते हैं। उस संस्कृति में वे लोग वसा को महत्व देते हैं। दरअसल ऐसे कौन लोग थे जिनका वजन अधिक था और वे राजा थे। राजा बड़े लोग थे क्योंकि सारा खाना उनके पास आ जाता

था। दरअसल, वसा का इस्तेमाल ताकत के लिए एक शब्द के रूप में किया जाता है। इसलिए पुराने नियम में यह बहुत अलग है जब आप वसा के बारे में पढ़ते हैं, वसा का अर्थ सफलता और समृद्धि है। इसका यही अर्थ है: सफलता और समृद्धि। इसलिए यह उससे बहुत अलग है जैसा हम इस बारे में सोचते हैं।

यह लड़का, विस्तार से बताता है, वह मोआब से है। फिर क्या होता है? एहूद न्यायाधीश के रूप में घटनास्थल पर आता है। भगवान उसे ऊपर उठाते हैं लेकिन एहूद के साथ क्या हुआ? मुझे बस इसे पढ़ने दो। "फिर इस्राएलियों ने यहोवा की दोहाई दी, और उस ने एहूद जो बाएं हाथ का था, उनको बचा लिया।" वह बिन्यामीनी व्यक्ति था और उन्होंने उसे कर देने के लिये भेजा। हम एहूद के बारे में क्या जानते हैं? हम जानते हैं कि वह बाएं हाथ का है; एहूद में फर्क है। हम मानते हैं कि अधिकतर लोग दाएं हाथ के होते हैं। वह लेफ्टी है। जब आप किसी के पास आते हैं और उनके हथियारों की जाँच करते हैं, तो क्या ऐसे कुछ स्थान हैं जहाँ लोग हथियार रखते हैं? आज तक यदि आप हथियारों के लिए लोगों की जाँच कर रहे हैं तो आप कहाँ जाँच करेंगे? अब अधिकांश लोग दाएं हाथ के हैं, तो यदि वे दाएं हाथ के हैं, तो वे अपनी तलवार कहां पहनते हैं? आप अपनी तलवार अपने दाहिने पैर पर न पहनें क्योंकि यदि आप इसे इस तरह खींचने की कोशिश करेंगे, तो आप खुद को चाकू मार लेंगे। आप इसे अपने बाएं पैर पर रखते हैं, और आप इसे पार खींचते हैं, है ना ? तो आप इसे अपने बाएं पैर पर रखें और आप इसे इस तरह से खींचें। सो जब एहूद भीतर आता है, तो वे उसकी कहां जांच करते हैं? उन्होंने उसके बाएँ पैर को देखा, वहाँ कोई तलवार नहीं है; वे जानते हैं कि लड़का साफ-सुथरा है। प्रश्न: क्या उसके दाहिनी ओर डेढ़ फुट का खंजर है?

मुझे बस पढ़ने दीजिए क्योंकि मुझे लगता है कि यह लगभग हास्यप्रद है। "अब, एहूद ने लगभग डेढ़ फुट लम्बी दोधारी तलवार बनाई थी।" और वैसे क्या वह महत्वपूर्ण है "लगभग डेढ़ फुट लंबा"? यह आगे चलकर महत्वपूर्ण हो जाता है। ये सभी छोटी-छोटी बातें आपस में जुड़ी हुई हैं। "जिसे उसने अपने वस्त्र के नीचे अपनी दाहिनी जाँघ पर बाँधा, और उसने मोआब के राजा एग्लोन को कर दिया, जो बहुत मोटा आदमी था। एहूद ने कर चुकाने के बाद उन पुरूषों को, जो कर ले आए थे, विदा किया। और गिलगाल के निकट की मूरतों के पास वह आप ही पीछे फिरकर कहने लगा।" इसलिए वह वापस नीचे चला जाता है जहां वे जॉर्डन नदी को पार कर रहे थे और फिर वह वापस मुड़ता है और वह एग्लोन वापस जाता है और वह कहता है, "एग्लोन, मुझे तुम्हारे लिए एक गुप्त संदेश मिला है, हे राजा" और राजा कहा, 'चुप' और उसके सभी परिचारक चले गए।' अब राजा स्वयं को केवल इस एक इस्राएली व्यक्ति के साथ क्यों छोड़ेगा। आप कहेंगे कि वह अपनी रक्षा करना चाहता था, सवाल यह था कि क्या राजा एक बड़ा आदमी है? वह एक बड़ा आदमी है। वह इस दुबले-पतले छोटे इसराइली लड़के से नहीं डरता। वह उससे नहीं डरता। वह एक

बड़ा आदमी है। इसलिए वह अपने सभी सेवकों को जाने के लिए कहता है। एहूद कहता है, “मुझे गुप्त सन्देश मिल गया है।” वह कहते हैं, “मेरे पास आपके लिए भगवान की ओर से एक संदेश है।” और जैसे ही राजा अपने स्थान से उठा, एहूद ने अपना बायाँ हाथ बढ़ाया, अपनी दाहिनी जाँघ से तलवार निकाली और उसे राजा के पेट में घोंप दिया और उसकी पीठ से निकले ब्लेड के बाद हैंडल की टांग भी उसमें घुस गई। एहूद ने तलवार नहीं निकाली, चर्बी उसके ऊपर बन्द हो गई।” यह बहुत अधिक जानकारी है। क्या आप देखते हैं कि दुर्भाग्य से सभी विवरण एक साथ कैसे आते हैं?

“तब एहूद ओसारे से बाहर गया, और अपने पीछे ऊपरी कमरे के किवाड़ बन्द करके ताला लगा दिया। और उसके जाने के बाद, सेवकों ने ऊपरी कमरे के दरवाजे बंद पाए और उन्होंने कहा, ‘वह खुद को राहत दे रहा होगा।’” अब, जब राजा बर्तन पर है, तो क्या आप राजा को परेशान करते हैं? नहीं, इसलिए एहूद ने दरवाज़ों पर ताला लगा दिया और सेवकों ने आकर कहा, “खैर दरवाज़े बंद हैं, राजा को बर्तन पर होना चाहिए। जब राजा एक ही बर्तन में हो तो उसे परेशान मत करो।” और अब एहूद क्या करने जा रहा है?

एहूद का पलायन

एनएलटी में, क्या किसी के पास एनएलटी है? एनएलटी यहां एक दिलचस्प अनुवाद करता है। क्या कभी किसी ने *शशांक रिडेम्पशन देखा है?* *शशांक* में, आदमी जेल से कैसे बाहर आता है? तुम्हे याद है? वह दीवार के पार चला जाता है, लेकिन फिर क्या आपको याद है? क्या आपको वह लंबा दृश्य याद है जब वह इससे गुजरता है कि यह क्या है? पाइप और यह वह सीवेज पाइप है। यह पता चला है कि एहूद भाग निकला, क्योंकि एनएलटी ने संभवतः इसका सही अनुवाद किया है, “शौचालय के माध्यम से।” तो मूलतः, आपको एक छेद मिल गया है। वह मल के माध्यम से नीचे चला जाता है और शौचालय के माध्यम से बाहर निकल जाता है।

अब जब भी यह कहानी सामने आती है तो यह मुझे हमेशा याद दिलाती है कि मेरे चार बच्चे हैं और उनका पालन-पोषण इंडियाना के एक उपनगरीय इलाके में हुआ था। हम उत्तरी मिनेसोटा तक छुट्टियाँ बिताने गए थे, और मैं वास्तव में बहुत दूर की बात कर रहा हूँ; कनाडा की सीमा के ठीक बगल में, उत्तरी मिनेसोटा में। अब मेरे बच्चों ने ये चीज़ें कभी नहीं देखी थीं। उन्हें “आउटहाउस” कहा जाता था। मेरे बच्चों ने कभी नहीं देखा था, मेरी दो लड़कियों ने कभी एक को

भी नहीं देखा था। और इसलिए हम बाहर हैं। रात हो चुकी है। हम शिविर की ओर बढ़ते हैं। हमने शिविर लगाया, और अंधेरा है। अब मेरी बेटी को जाना है और मेरी पत्नी को भी जाना है। इसलिए उनके पास कैंप ग्राउंड से दूर एक डबल होलर था। तो, अब क्या आप छठी, सातवीं कक्षा की लड़कियों को जानते हैं? क्या आपने कभी उन्हें देखा है जब वे वास्तव में फूहड़ अवस्था में पहुँच जाते हैं? वे सामान गिरा देते हैं, और वे फूहड़ हैं। वह इस कुत्सित अवस्था से गुजर रही थी। तो वह टॉर्च निकाल लेती है। मेरी पत्नी, आप जानते हैं, जानती है कि क्या व्यवहार करना है। इसलिए वे वहाँ से चले जाते हैं। मेरी पत्नी दूसरी तरफ घूमती है क्योंकि मेरी पत्नी जानती है क्योंकि वह उत्तरी मिनेसोटा में पली-बढ़ी है और इसलिए वह जानती है कि क्या करना है। तो वह दूसरी तरफ उछलती है। वह यहाँ अंदर जाती है।

मेरी बेटी अंदर जाती है, और कहती है, "क्या यह जगह सुरक्षित है?" सबसे पहले, आप जानते हैं, सौदा क्या है? यहाँ कोई लाइट स्विच नहीं है। यहाँ घुप्प अंधेरा है। तो वह क्या करती है कि वह अपनी टॉर्च लेती है और वह उसे छेद में चमकाती है। "अब वहाँ नीचे कोई है? वहाँ नीचे क्या है? मैं पता लगाना चाहती हूँ। मुझे नहीं पता कि वहाँ नीचे क्या है?..." वह उत्सुक है। और वह बस नीचे देखती है, एक सेकंड। लेकिन वह भी बहुत फूहड़ है, और वह, और यह ईमानदार सच्चाई है; वह टॉर्च को छेद में गिरा देती है। फिर टॉर्च अपना लूप बनाती है, और चिपक जाती है चमकती है। मेरी पत्नी दूसरी तरफ है, और यह टॉर्च की रोशनी चमकती है। और यह है, "पवित्र गाय।" तो मेरी पत्नी वहाँ से उड़कर चली जाती है और मेरी पत्नी, "पवित्र गाय" थी। तो मेरी बेटी बाहर आती है, "अरे नहीं।" तो फिर वे शिविर में वापस आते हैं। अब मैं पिता हूँ और वे वापस आते हैं और कहते हैं, "रिबका, वह हमारी टॉर्च है। वह एकमात्र टॉर्च है जो हमारे पास है। रिबका हमें वहाँ वापस जाने की जरूरत है।" आपने कहा, "आप ऐसा नहीं करेंगे।" मैंने निश्चित रूप से किया। वैसे भी। इसलिए हमने उसे वापस वहाँ से मार्च किया। "आपको नीचे जाना होगा और उस टॉर्च को वापस लाना होगा। यह एकमात्र ऐसी टॉर्च है जो हमें मिली है।" वह थी, "पिताजी, क्या आप मुझसे ऐसा करने वाले हैं?" वह जा रही थी और मैंने कहा, "मैं तो बस तुमसे मज़ाक कर रहा था।" वैसे भी, यह बहुत मज़ेदार था। इसलिए एहुद पर वापस जाएँ।

एहूद ढलान से नीचे चला जाता है। वह इस सामान के माध्यम से ढलान से नीचे चला जाता है और बाहर चला जाता है। और इस तरह वह बच निकलता है। एनएलटी में यही कहा गया है। एनएलटी शब्द का उपयोग करता है और "वह शौचालय के माध्यम से भाग गया।" शायद यही सही अनुवाद है। अन्य अनुवाद इस पर पर्दा डालते हैं और बस यही कहते हैं कि वह भाग निकला। वे आपको यह नहीं बताते कि यह संभवतः *शशांक रिडेम्पशन* प्रकार का पलायन था। परन्तु वह एहूद है।

परमेश्वर एहूद की विशिष्टता का उपयोग करता है

वैसे, मैं मुद्दे से चूक गया। एक छोटी सी बात जो मैं उठाना चाहता था वह यह है। एहूद बाएँ हाथ का था। उसके पास कुछ ऐसा था जो अलग था। कुछ ऐसा जो सामान्य आबादी से अजीब था। प्रश्न: "क्या भगवान ने अपनी विचित्रता का उपयोग अपनी महिमा के लिए किया; तथ्य यह है कि वह बाएँ हाथ का था?"

अब मैं केवल यह सुझाव देना चाहता हूँ कि जब मैं छोटा था, मैं हमेशा अन्य लोगों के साथ घुलना-मिलना चाहता था। अपने आधे जीवन में मुझे एहसास हुआ कि मैं बिल्कुल अजीब हूँ। मैं कहीं भी फिट नहीं हुआ। मैं कहीं भी फिट नहीं हुआ। मैं हमेशा अजीब था। मेरा मतलब है कि मैं यह सब कुछ कर सकता हूँ। खेल खेलें हर कोई मुझे अपनी टीमों में चाहता था। लेकिन मैं हमेशा से जानता था कि मैं वास्तव में इसमें फिट नहीं बैठता। मैं अजीब था। इसलिए मैंने अपने अधिकांश जीवन के लिए अपनी अजीबता को छुपाने की कोशिश की। मैंने लोगों को यह समझाने में समय और ऊर्जा खर्च की कि मैं सामान्य हूँ। तब मुझे एहसास हुआ, मैं लगभग बीस साल का था, "छोड़ो यार, तुम बहुत अजीब हो। बस इसे स्वीकार करें और इससे बाहर निकलें।" लेकिन मैं आपमें से कुछ को देखता हूँ और कहता हूँ, "आप उसी बॉल पार्क में हैं।" मैं जो कह रहा हूँ वह इसलिए है कि हम एक साथ अजीब हो सकते हैं। लेकिन मैं जो कह रहा हूँ; मैं जो कहना चाह रहा हूँ वह यह है। जिस चीज़ को आप अपनी अजीबता समझते हैं, वही आपकी सबसे बड़ी संपत्ति है।

हाँ, दरअसल, जब मैंने ग्रेस कॉलेज छोड़ा था। मैंने वहां 22 साल तक पढ़ाया। मुझे आश्चर्य हुआ कि मुझे वहां से कभी नौकरी से क्यों नहीं निकाला गया। और मेरा एक दोस्त जो मुझे अच्छी तरह से जानता था, उसने कहा, "टेड।" मैंने कहा, "मुझे यहां से कभी नौकरी से कैसे नहीं निकाला

गया? मेरा मतलब है कि मेरे सभी दोस्तों को निकाल दिया गया, और मुझे नहीं निकाला गया।” और वह आदमी कहता है, “टेड, तुम वहां से बहुत दूर थे। किसी को नहीं पता था कि आप कहां थे। इसलिए उन्होंने तुम्हें जाने दिया क्योंकि यह बस था...”

तो मैं जो कह रहा हूँ वह है. मैं वास्तव में दृढ़ता से यह कहना चाहता हूँ: जो चीज आप सोचते हैं कि वह आपके बारे में वास्तव में अजीब चीज है, मैं शर्त लगा सकता हूँ कि भगवान आपके लिए कुछ भी उपयोग करेगा। भगवान अजीबता का उपयोग करता है और वही चीज़ जो किसी को शर्मिंदा करती है, और आप उसे छिपाने की कोशिश करते हैं, भगवान उस चीज़ का सबसे अधिक उपयोग करता है। आपको लगता है कि यह सबसे विनाशकारी गलत चीज़ है लेकिन भगवान इसे लाभ में बदल देंगे। “आपने मुझसे यह आशय बुराई के लिए कहा था। भगवान का मतलब अगर अच्छे के लिए हो” जैसी बात। ईश्वर व्यक्ति के व्यक्तित्व को ऐसे ही ग्रहण करता है। इसलिए यह अद्वितीय है, और भगवान इसका उपयोग करते हैं।

परमेश्वर ने एहूद का प्रयोग किया। मेरा मतलब है कि ये सभी इज़राइली लोग थे। भगवान ने किसका उपयोग किया? उन्होंने बाएं हाथ का उपयोग किया, और अपनी महिमा के लिए उस विशेष विशिष्टता का उपयोग किया। मैं जो कह रहा हूँ वह यह है कि सावधान रहें। अपनी विचित्रता को छुपाने और नष्ट करने का प्रयास न करें। अपने आप को अजीब होने की अनुमति दें. अपने आप को अनुमति दें, और मुझे इसे कैसे कहना चाहिए, इसका आनंद लें। यह वही बिंदु है जो अलग है जिसे भगवान अक्सर उपयोग करते हैं।

नक्शा

अब यहाँ केवल एक मानचित्र है जो क्षेत्र को दर्शाने का प्रयास कर रहा है। मोआबी वहाँ से चले गए, और वे यहाँ यरीहो तक आए और उन्होंने यरीहो को ले लिया। क्या यह सचमुच इजराइल के करीब है? यहाँ यरूशलेम है, हाँ। इसलिए मोआबी वास्तव में आक्रामक थे। एहूद उन्हें वापस खदेड़ देगा। असल में ये लोग ऊपर से हैं, और यहीं पर मोआबी राजा गठबंधन बना रहा था। एहूद यरदन नदी को पार करते हुए इस क्षेत्र में गिलगाल तक आता है, और फिर वह मुड़ जाता है। वह वापस ऊपर जाता है, और तभी उसे राजा मिलता है। तो यह वह क्षेत्र है, क्षेत्र है, जहां यह घटित

होता है। तो हम बस इसके भूगोल का अंदाज़ा लगा रहे हैं

प्रश्न: पिछली स्लाइड में, हमारे पास चक्र के भाग के रूप में पश्चाताप नहीं है।

हाँ, लोग यहोवा की दोहाई देते हैं। मैं भूल गया कि इसका सटीक उल्लेख यहाँ कहाँ किया गया है। हाँ, यह श्लोक 15 है; वहाँ पश्चाताप. “और इस्राएलियों ने फिर यहोवा की दोहाई दी। उसने उन्हें एक उद्धारकर्ता दिया।” तो यह उनका पश्चाताप होगा और फिर भगवान का उन्हें उद्धारकर्ता देना होगा। अच्छी बात! मुझे ईमानदार रखो.

दबोरा और बराक

अब, दबोरा के साथ क्या डील हुई है? जजों के अध्याय चार और पाँच में दबोरा का। इस महिला के बारे में यह कहा गया है: न्यायाधीश अध्याय चार, श्लोक चार, और इसका संबंध नेतृत्व में महिलाओं से है। दबोरा एक नेता हैं; यहाँ यह कहा गया है: "दबोराह, एक भविष्यवक्ता, लैपिडोथ की पत्नी, उस समय इज़राइल का नेतृत्व कर रही थी।" तो वह एक भविष्यवक्ता है; उसने लैपिडोथ से शादी की है। वह उस समय इज़राइल का नेतृत्व कर रही थी, और "वह एप्रेम के पहाड़ी देश में रामा और बेतेल के बीच, दबोरा के ताड़ के पेड़ के नीचे दरबार लगाती थी।" इज़राइल अदालती मामलों का फैसला करवाने के लिए उसके पास आता था। तो वह शादीशुदा है, एक नेता है, वह पुरुषों को बताती है कि क्या करना है, और वह भगवान द्वारा अनुमोदित है। उसे भविष्यवक्ता किसने बनाया? क्या कोई व्यक्ति स्वयं को भविष्यवक्ता बनाता है? नहीं, ईश्वर आपको पैगम्बर बनाता है। एक भविष्यवक्ता क्या करता है? एक भविष्यवक्ता कहता है, "यहोवा यों कहता है।" पैगम्बर भगवान के लिए बोलता है. एक भविष्यवक्ता क्या करती है? एक भविष्यवक्ता ईश्वर के लिए बोलती है और डेबोरा ने बिल्कुल यही किया। वह जज भी थीं. वास्तव में उसका अपना ताड़ का पेड़ था और लोग उसके पास आते थे और वह न्यायिक निर्णय लेती थी। वह इसराइल में एक न्यायाधीश थी, वह इसराइल का नेतृत्व कर रही थी, और वह एक भविष्यवक्ता थी।

तो फिर, यह पवित्रशास्त्र के कुछ अन्य कथनों से कैसे मेल खाता है? आप इस महिला नेतृत्व के साथ यह सब कैसे समझाते हैं? फिर आपके पास नए नियम में पॉल के कुछ कथन हैं जो कहते हैं, 1 कुरिन्थियों 14.33 में, कि चर्च में महिलाओं को क्या होना चाहिए? उन्हें चर्च में चुप रहना चाहिए.

या आप तीमुथियुस में कह चुके हैं, "मैं नहीं चाहता कि कोई स्त्री किसी पुरुष को सिखाए।" पॉल ने ये बयान देते हुए कहा, "महिलाएं, नहीं, नहीं, उन्हें नेतृत्व की स्थिति में नहीं होना चाहिए।"

ये परिच्छेद उस समय की याद दिलाते हैं जब मैं ब्रिस्टल, टेनेसी क्षेत्र में एक छोटे बाइबिल कॉलेज में था, और सप्ताहांत पर मैं एक सर्किट राइडर उपदेशक की तरह होता था। दूसरे शब्दों में, मैं पाँच अलग-अलग चर्चों में प्रचार करूँगा। इसलिए मैं एक सप्ताह एक चर्च में जाता, दूसरे सप्ताह, और फिर मैं सर्किट के चारों ओर घूमता। चर्चों में से एक, मैं औसत शैक्षिक अवधि कहूँगा, अधिकांश लोगों ने शायद कभी हाई स्कूल से स्नातक नहीं किया था। चर्च के अधिकांश लोगों ने कभी हाई स्कूल से स्नातक नहीं किया था।

चर्च में एक महिला थी, और उसने अंग्रेजी साहित्य में स्नातकोत्तर की उपाधि प्राप्त की थी। चर्च ने निर्णय लिया कि वे एक्लेसिएस्टेस की पुस्तक का अध्ययन करना चाहते हैं। क्या सभोपदेशक सरल है, या जटिल? एक्लेसिएस्टेस, आप इसे इस गुरुवार को पढ़ने जा रहे हैं, एक्लेसिएस्टेस वास्तव में यह समझने के लिए एक जटिल पुस्तक है कि वहां क्या हो रहा है। दरअसल, इसी साल मुझे एक्लेसिएस्टेस की एक तरह की नई समझ मिली है। वैसे, किसी ने मुझे यह कहने पर मजबूर कर दिया कि "हे हिल्डेब्रांड्ट, आप एक्लेसिएस्टेस के बारे में क्या सोचते हैं?" क्योंकि मुझे लगता है कि मुझे एक नया दृष्टिकोण मिला है, कि मैंने वास्तव में इस सेमेस्टर को विकसित किया है।

लेकिन, इन लोगों ने कभी हाई स्कूल की पढ़ाई पूरी नहीं की, इस महिला के पास इंग्लिश लिट में मास्टर डिग्री थी। क्या वह सभोपदेशक की पुस्तक पढ़ा सकती थी? शायद चर्च में किसी और से बेहतर! तो मैं अंदर आया और मैंने कहा "अरे! मैं इस तरह की चीजों में सेमिनरी में प्रशिक्षित हूँ, लेकिन मुझे एक्लेसिएस्टेस की किताब समझ में नहीं आती है। मैं यह स्वीकार करने वाला पहला व्यक्ति होऊँगा।" तो मैंने सोचा "मैं यह सुनूँगा कि यह महिला क्या करती है। वह एक अंग्रेजी लिट है। व्यक्ति, वह मुझे सभोपदेशक को समझने का एक साहित्यिक तरीका देगी। इससे मुझे मदद मिल सकती है।"

तो मैं उसकी क्लास में बैठ गया। क्या आपको एहसास है कि उसके चर्च के कुछ पुरुष उसकी कक्षा में नहीं आते थे क्योंकि वह एक महिला थी? और उन्होंने इन कथनों का उपयोग किया,

"मुझे दुख है कि एक महिला एक पुरुष को नहीं सिखाती।" तो फिर उन्होंने अपनी स्थिति का समर्थन करने के लिए इस कथन और चीजों का उपयोग किया।

अब प्रश्न: क्या आप वहां के संघर्ष को उस दृष्टिकोण से देखते हैं? और इसलिए आप इसके साथ कैसे काम करते हैं, मैं "उत्तर" को उद्धरण चिह्नों में रखता हूं - मैं यह नहीं कह रहा हूं कि ये "उत्तर" हैं लेकिन इससे मदद मिल सकती है।

एक बार मैं एक डॉक्टरेट शोध प्रबंध में था, एक व्यक्ति डॉक्टरेट शोध प्रबंध प्रस्तुत कर रहा था और मैं उन पाठकों में से एक था जिन्हें इस व्यक्ति के शोध प्रबंध का अनुमोदन करना था। उन्होंने तर्क दिया और यही तर्क उन्होंने दिया। "भगवान महिलाओं का उपयोग तब करते हैं, जब कोई अच्छे पुरुष नहीं होते हैं और भगवान ने डेबोरा का उपयोग इसलिए किया क्योंकि कोई अच्छे पुरुष नहीं थे।" इसलिए मुझे लगता है कि यह न्यायाधीशों की पुस्तक का उत्तर है।

कोई भी मुझसे बहस नहीं करेगा, लेकिन हर कोई ठीक है। तो मुझे खुद ही बहस करनी होगी। यह सबसे मूर्खतापूर्ण बातों में से एक है जो मैंने कभी सुनी है। ठीक है? मुझे क्षमा करें। क्या यह पुरुषों और महिलाओं दोनों को अलग-थलग कर देता है? मान लीजिए कि कोई अच्छा आदमी नहीं है, इसलिए भगवान एक महिला का उपयोग करता है। तो यह वास्तव में दोनों पक्षों को अलग-थलग कर देता है। क्या डेबोरा के समय में अच्छे लोग थे? हाँ वहाँ थे। क्या भगवान ने उसका उपयोग इसलिए किया क्योंकि वहाँ अच्छे आदमी नहीं थे? मुझे ऐसा नहीं लगता। मैं आपको अन्य मामले दिखाऊंगा जहाँ निश्चित रूप से अच्छे पुरुष थे और भगवान अभी भी एक महिला का उपयोग करते हैं। यह एक दयनीय तर्क है।

क्या यह भगवान किसी का उपयोग कर रहा है? यदि ईश्वर किसी का उपयोग करता है, तो आप कौन होते हैं यह कहने वाले कि यह महिला दायम दर्जे की है? क्या परमेश्वर इस्राएल का नेतृत्व करने के लिए उसका उपयोग कर रहा है? तो आप कौन होते हैं भगवान का खंडन करने वाले? भगवान बहुत हद तक चुनाव करता है। इसलिए जब आप कहना शुरू करते हैं, "भगवान को इस तरह एक महिला का उपयोग नहीं करना चाहिए," तो आप कहते हैं, "ठीक है, हाँ, वह भगवान है वह वही करता है जो वह चाहता है।" इसलिए, मुझे लगता है कि यह तर्क दोनों पक्षों को अलग-थलग कर रहा है। यह अपमानजनक है। यह दृष्टिकोण पुरुषों और महिलाओं दोनों के लिए

अपमानजनक है। मैं इसे स्वीकार नहीं कर सकता और इसलिए मैंने उस व्यक्ति को उसके शोध प्रबंध पर बहुत दुख दिया।

फिर वह यह दूसरा तर्क भी लेकर आए: डेबोरा अपवाद है। अपवाद नियम को सिद्ध करता है। अब, "दुर्भाग्य से।" जब मैं कॉलेज में था तब मैं गणित का प्रमुख विषय था। दुर्भाग्य से नहीं, मुझे गणित पसंद था। जब मैं शिक्षण महाविद्यालय में गया तो उनके पास कोई तर्कशास्त्र शिक्षक नहीं थे। इसलिए मैंने कई वर्षों तक तर्कशास्त्र पढ़ाना बंद कर दिया। तर्क में जब आप "सभी" कथन देते हैं तो आप "सभी" कथन का खंडन कैसे करते हैं? यदि कोई कहे, "सभी महिलाएँ ऐसी ही होती हैं; कि सभी लोग ऐसे हैं, मैसाचुसेट्स के सभी लोग ऐसे हैं," आप "सभी" कथन का खंडन कैसे करते हैं? आपके पास कितने प्रति-उदाहरण होने चाहिए? एक। जब आप "सभी" कथन देते हैं तो क्या आप वास्तव में असुरक्षित होते हैं? क्योंकि तुम्हें यह सिद्ध करना होगा कि वे सब ऐसे ही हैं। उन्हें बस एक प्रति-उदाहरण ढूंढना है और आपका तर्क पूरा हो जाएगा।

वैसे, जब आप पेपर लिखते हैं, तो क्या आपको "सभी" बयानों से दूर रहना चाहिए? क्या तुम समझ रहे हो? "सभी" कथन सबूत का भार किस पर डालते हैं? आप पर। जब आप "सभी" कथन का उपयोग करते हैं तो आप बहुत असुरक्षित होते हैं। अब अगर मैंने कहा, "मैसाचुसेट्स के कुछ लोग ऐसे हैं।" प्रश्न: आप "कुछ" कथन का खंडन कैसे करते हैं? क्या किसी "कुछ" कथन का खंडन करना लगभग असंभव है? उन्हें सब कुछ दिखाना होता है और फिर सब कुछ दिखाने की जिम्मेदारी उन पर होती है और अक्सर आप ऐसा नहीं कर पाते। तो मैं जो कह रहा हूँ वह यह है कि जब आप लिखें, तो "सभी" कथनों का उपयोग करने में बहुत सावधान रहें।

यदि सभी महिलाओं को ऐसा ही होना है, यदि सभी महिलाओं को नेतृत्व करने की अनुमति नहीं है, सभी महिलाओं को चुप रहना है, सभी महिलाओं को शिक्षक बनने की अनुमति नहीं है, यदि आपके पास एक अपवाद है, तो अपवाद साबित नहीं होता है नियम, अपवाद आपको दिखाता है कि नियम काम नहीं करता है। आप यह नहीं कह सकते कि सभी महिलाएं ऐसी होनी चाहिए या सभी पुरुष ऐसे होने चाहिए। उस तरह की सोच काम नहीं करती। तो यहाँ यह तर्क, डेबोरा एक अपवाद है, वह निश्चित रूप से है, लेकिन अपवाद से पता चलता है कि नियम काम नहीं करता है। महिलाएं नेतृत्व कर सकती हैं और यह कोई समस्या नहीं है।

अब कुछ लोग प्रगतिशील रहस्योद्घाटन का उपयोग करते हैं, वे कहते हैं, "पौलुस वह है जिसे हमें बाकी सभी चीज़ों से ऊपर स्वीकार करना चाहिए।" लेकिन क्या आप देखते हैं कि वह क्या करता है? यह पॉल के लेखन को विशेषाधिकार देता है। क्या हमें कैनन के अन्य भागों की तुलना में पॉल के लेखन को विशेषाधिकार देना चाहिए? क्या पुराने नियम का भाग परमेश्वर द्वारा दिया गया है जैसा कि पॉल के लेखन में था। मैं एक जगह गया जहां उन्होंने कहा, "यहां रोमन हैं, और यह गलाटियन हैं, और हम पूरी बाइबिल को रोमन और गलाटियन के चश्मे से देखते हैं।" इसमें दिक्कत क्या है? वे सभी आकार से विकृत हो गए हैं क्योंकि उन्हें रोमन और गैलाटियन की पुस्तक पसंद है। क्या आपको बाइबिल की व्याख्या उत्पत्ति के चश्मे से और निर्गमन की पुस्तक के माध्यम से नहीं करनी चाहिए? और क्या आपको पुराने नियम से नए नियम तक इस तरह से नहीं आना चाहिए बजाय इसके कि चारों ओर घूमकर इसकी व्याख्या की जाए? तो मैं जो कह रहा हूँ वह यह है कि पवित्रशास्त्र के एक हिस्से को दूसरे हिस्से पर विशेषाधिकार देने के बारे में सावधान रहें। यदि यह भगवान का शब्द है तो पूरी चीज भगवान का शब्द है, आप वर्गों को विशेषाधिकार देना शुरू कर देते हैं। मुझे यह वास्तव में आपत्तिजनक लगता है।

फिर खुद पॉल के बारे में क्या? इसकी जांच करें। पॉल स्वयं कहते हैं, और मुझे लगता है कि ये लैंगिक संघर्ष वाली बात में महत्वपूर्ण छंद हैं, पॉल, गलातियों 3:28 में। यह एक प्रसिद्ध श्लोक है। लोग वर्षों से इस पर बहस कर रहे हैं, पॉल कहते हैं, "न तो यहूदी है और न ही यूनानी," इसका क्या मतलब है? आपके पास यहूदी लोग और यूनानी लोग हैं। पुराने नियम में यहूदी और यूनानी थे और उनके बीच खतना और खतना रहित अलगाव था। "मसीह में न तो यहूदी है और न ही यूनानी" यहूदी या यूनानी में कोई अंतर नहीं है। "गुलाम या आज़ाद" अब हम केवल गुलाम और आज़ाद नहीं हैं, हम मसीह में भाई और बहन हैं। न तो कोई गुलाम है और न ही कोई स्वतंत्र। "पुरुष हो या महिला आप सभी मसीह में एक हैं।" तो वे सभी सीमाएँ हैं जो यहूदियों और अन्यजातियों के बीच थीं, दासों के बीच थीं और नर और मादा के बीच स्वतंत्र थीं, वे सीमाएँ समाप्त हो गईं। हम सभी मसीह में एक हैं और पॉल गलातियों 3:28 में ऐसा कहता है।

दूसरा जो मुझे पसंद है, और मुझे इसे अपने दिमाग से निकालने दो वह है इफिसियों 5:22। इसमें कहा गया है, "महिलाओं, पत्नियाँ अपने आप को अपने पतियों के अधीन कर दो।" और

परमेश्वर के सभी लोगों ने इसका उपयोग यह कहने के लिए किया है, "पत्नियाँ अपने आप को अपने पति के अधीन कर दें।" लेकिन पूर्ववर्ती श्लोक क्या कहता है? इफिसियों 5:21 कहता है, "मसीह के प्रति श्रद्धा रखते हुए एक दूसरे के अधीन रहो।" इसका मतलब तो क्या मुझे खुद को अपनी पत्नी के हवाले कर देना चाहिए? हाँ, "मसीह के प्रति श्रद्धा रखते हुए एक दूसरे के अधीन रहें।"

ईसा मसीह एक महान उदाहरण हैं . क्या ईसा मसीह बड़े नेता हैं? ईसा मसीह ईसाई चर्च के बड़े नेता हैं। यीशु अपना नेतृत्व कैसे व्यक्त करते हैं? क्या वह आकर कहते हैं, "हाय, मैं बड़ा नेता हूँ, आप सभी लोग झुकें।" यीशु क्या करता है? वह कहता है कि उनके जूते उतार दो, और फिर यीशु क्या करते हैं? वह अपने शिष्यों के पैर धोते हैं। जो ब्रह्मांड का राजा है वह सबका सेवक बन जाता है। क्या यह हमें नेतृत्व के लिए एक मॉडल बनाता है? ऐसा नहीं है, मैं बड़ा नेता हूँ. नहीं, यह मैंने ही उनके पैर धोये हैं।

मुझे एंड्रयू जैक्सन के बारे में एक कहानी याद है जो 1830 के आसपास राष्ट्रपति थे, एंड्रयू जैक्सन। वह इतने महान नेता क्यों थे? मैं उस व्यक्ति की हर बात से सहमत नहीं हूँ लेकिन वह एक महान नेता था। वह सन्दर्भ की लड़ाई में था। वह युद्ध के लिए अपने सैनिकों का नेतृत्व कर रहा था, उसके कुछ लोगों को चोट लग गई। एंड्रयू जैक्सन अपने घोड़े से उतर गया, वह बड़ा जनरल है, वह घोड़े की सवारी करता है। वह अपने घोड़े से उतरता है, अपने घायल लोगों को घोड़े पर बिठाकर चलता है। प्रश्न: क्या वे लोग उसके लिए मर गए होंगे क्योंकि उसने ऐसा काम किया था? हाँ, वे जानते थे कि वह उनकी ओर से स्वयं का बलिदान देगा और इसलिए वे उसकी ओर से स्वयं का बलिदान देंगे। जब वे सवारी कर रहे थे तो वह चला और उन्होंने कहा, "वाह, अब वह एक नेता है।" यीशु ने यही किया।

तीन प्रमुख पाप: पैसा, सेक्स और शक्ति

मैं आज तुम्हें पाप के बारे में जो सिखाने जा रहा हूँ, उसमें मुझे ले जाना है। तीन बड़ी चीजें हैं: पैसा, सेक्स और ताकत। अब पैसा, आप लोग गॉर्डन कॉलेज के छात्र हैं इसलिए आपको इसके बारे में चिंता करने की ज़रूरत नहीं है, यह कोई समस्या नहीं होगी। क्षमा करें, लेकिन ईमानदारी से कहूँ तो सबसे बड़ी चीज जो मुझे डराती है और वास्तव में आपको डराना चाहिए वह है पंद्रह, टी। पंद्रह टी और आप लोगों को अपने दिमाग से डरना चाहिए। पन्द्रह ट्रिलियन का कर्ज़ है। आप यह भी नहीं

जानते कि इसका क्या मतलब है, मैं भी नहीं जानता। यह तो ढेर सारा पैसा है। पैसा, इसकी चिंता मत करो तुम्हें पैसे की चिंता नहीं करनी पड़ेगी।

सेक्स गंदा है। यदि आप ईसाई हैं तो सेक्स करते हैं तो पकड़े जाते हैं, आपका भंडाफोड़ हो जाता है। यह वास्तव में अच्छी तरह से काम नहीं करता है। तो सेक्स गंदा है, आइए इसका सामना करें। जिसके बारे में आपको चिंता करने की ज़रूरत है और वास्तव में यदि आप पाप करने जा रहे हैं तो पैसे के बारे में चिंता न करें, यह आपके पास कभी नहीं होगा। सेक्स यह गंदा है और तुम पकड़े जाओगे। पाप करना है तो शक्ति करो। शक्ति ही स्वच्छ है। नहीं, गंभीरता से वे आपको पकड़ नहीं पाते हैं और वास्तव में आप सही तरीके से काम करते हैं, हर कोई सोचता है कि आप बड़े भोंपू वाले नेता हैं और आप ही आदमी हैं। इसलिए यदि आप इसे शक्ति से करने जा रहे हैं, तो यह साफ़ है। प्रश्न: क्या मैं व्यंग्यात्मक था? हां, मुझे वहां चलना चाहिए था लेकिन मुझे डर है कि वह कैमरा नहीं हिलाएगा। तो मैं जो कह रहा हूं वह है पैसा, सेक्स और शक्ति, जो सबसे पेचीदा और सबसे घातक शक्ति है। मैं यही कहना चाह रहा हूं कि शक्ति सबसे घातक है क्योंकि यह व्यक्ति पर आती है। सत्ता क्या करती है? शक्ति भ्रष्ट करती है, पूर्ण शक्ति पूर्णतः भ्रष्ट करती है। शक्ति के बारे में सावधान रहें, यह वास्तव में सूक्ष्म है और यह एक व्यक्ति में प्रवेश करती है और इससे पहले कि उन्हें इसका पता चले, यह उनके अस्तित्व से मज्जा चूस लेती है। तो मैं जो कह रहा हूं वह यह है कि सावधान रहें। यह साफ़-सुथरा है जो अच्छा दिखता है। लेकिन आपको सत्ता से सावधान रहना होगा।

आइए डेबोराह वापस चलें। अब दबोरा के साथ क्या हो रहा है? मुझे ऐसा लगता है कि मुद्दा लिंग नहीं बल्कि योग्यता और प्रतिभा है। योग्यता और उपहार मुद्दा हैं। पुराने नियम में हुल्दा हमारे लिए एक भविष्यवक्ता बनने जा रहा है। वह एक भविष्यवक्ता है। अब आप कहते हैं, भगवान ने केवल भविष्यवक्ताओं का उपयोग किया जब कोई अच्छे लोग नहीं थे। नहीं, हुल्दा एक भविष्यवक्ता थी जब एक आदमी का नाम था, मुझे लगता है कि उसका नाम यिर्मयाह के आसपास दौड़ रहा था। वह काफी अच्छे इंसान थे। यिर्मयाह वास्तव में पुराने नियम की सबसे बड़ी पुस्तक लिखता है। यह स्तोत्र से बड़ा है, उतने अध्याय नहीं लेकिन यह लंबा है। तो जब यिर्मयाह आसपास होता है तो हुल्दा भविष्यवक्ता होती है। आसपास अच्छे लोग थे लेकिन भगवान ने फिर भी उसे एक

भविष्यवक्ता के रूप में इस्तेमाल किया।

यदि आप नए नियम में जाएँ तो किसी ने कहा, "ठीक है, पुराने नियम की ये सभी भविष्यवक्ताएँ और ऐसी ही, पुराने नियम में सब गड़बड़ है। जब आप न्यू टेस्टामेंट में जाते हैं तो क्या होता है? आपके पास फिलिप की भविष्यवाणी करने वाली बेटियाँ हैं। उसकी पाँच या सात बेटियाँ हैं, मैं भूल गया हूँ कि इनमें से पाँच या सात भविष्यवाणी करने वाली बेटियाँ कौन सी हैं। वे फिलिप की भविष्यवाणी करने वाली बेटियाँ हैं। यह अधिनियमों की पुस्तक में है जो पिनतेकुस्त के बाद, आत्मा के आने के बाद, चर्च युग के दौरान है। तो आपको जो मिला है वह दोनों वसीयतों में नेतृत्व में महिलाएँ हैं।

तो आप पॉल के बयानों और चीजों के साथ क्या करते हैं? खैर, जब मुझे लगता है कि मैं पवित्रशास्त्र में इस तरह के बयानों के बीच विरोधाभास देखता हूँ तो हमें कहना होगा कि संस्कृति शायद इसमें शामिल है। क्या पॉल कुरिन्थ में किसी विशेष समस्या का समाधान कर रहा है जिसके कारण वह ऐसा कह रहा है? कुछ विशेष समस्याएँ हैं जिनका समाधान किया जा रहा है और वह इसी बारे में बात कर रहे हैं। अब, मैं वास्तव में आपकी न्यू टेस्टामेंट कक्षा में इसे आगे बढ़ाऊंगा जब आप कोरिंथियंस और टिमोथी के बारे में बात करेंगे तो हम उनमें से कुछ समाधान बताएंगे, लेकिन मुझे लगता है कि यह काफी हद तक उन सांस्कृतिक मुद्दों के कारण हल हो गया है जो उन दिनों समस्याएँ थीं।

अब, दबोरा बराक के साथ अपना काम कहां करती है। बराक जनरल हैं। वे बाहर जाते हैं और वे लोहे के रथों के साथ लड़ने जा रहे हैं। हासोर का राजा याबीन अपने लोहे के रथों के साथ नीचे आता है। प्रश्न: क्या यह रथों के लिए एक बेहतरीन जगह होगी? यह समतल है, क्या यहाँ रथ काम करते हैं? हाँ। क्या यहाँ पहाड़ों पर रथ चलते हैं? नहीं, वे यहाँ मैदानी इलाकों में काम करते हैं। क्या आप देख रहे हैं कि यह मैदान यहां एक तीर के निशान जैसा दिखता है। यह स्पष्ट रूप से एक तीर के सिरे जैसा दिखता है जो नीचे की ओर आ रहा है। यहाँ के इस मैदान को मेगिदो मैदान कहा जाता है, या जैसा कि आप लोग इसे जानते हैं--आर्मगेडन। यह आर्मगेडन है। यह आर्मगेडन घाटी है। यह पूरे इज़राइल में सबसे बड़ी घाटी है। यह युद्ध के लिए एक बेहतरीन जगह है। वैसे, मेगिदो यहीं है इसलिए वे इसे आर्मगेडन कहते हैं। मेगिदो उस जगह का नाम है। एक टेल है जहाँ उन्होंने

युद्ध किया था, यह टेल है और यहीं पर उन्होंने युद्ध किया था।

महिला और युद्ध

वैसे लड़ाई की कहानी में मुख्य सेनापति को कौन बाहर निकालने वाला है? क्या यह पुरुष होगा या महिला? एक महिला जनरल को बाहर निकालने जा रही है और भगवान कहते हैं, "बराक, क्योंकि तुम इतने कमजोर हो, एक महिला इस आदमी को बाहर निकालने जा रही है।" तो क्या होता है? सीसरा अपने रथ से उतरता है, वह ट्रक लेकर इस महिला के घर में आता है, और कहता है, "अरे, याएल, हमने तुम लोगों के साथ गठबंधन किया है।" तो वह कहता है, "यार, मुझे बहुत प्यास लगी है, मुझे कुछ पीने को दो।" वह कहती है, "ओह, मेरे पास कुछ भी नहीं है, मेरे पास बस यह अच्छा गर्म दूध है।" तो वह गर्म दूध पी लेता है और फिर उसका क्या होता है? वह बहुत थक गया है, युद्ध लड़ना सचमुच कठिन है। वह गर्म दूध लेता है और सो जाता है। वह किसमें अच्छी है - महिला? उसके पास क्या कौशल है? क्या वह सीसरा से आमने-सामने लड़ सकती है? तुम्हें पता है, मैं यह लड़ाई कर सकता हूँ, नहीं। वह क्या करती है? क्या वह खूंटियों और हथौड़ों के साथ अच्छी है क्योंकि वह तंबू लगाती है और तंबू हटा देती है? क्या वह हथौड़ी और खूंटी चलाना जानती है? तो वह अपना हथौड़ा निकालती है और मैक्सवेल का चांदी का हथौड़ा उसके सिर पर गिरता है। बूम, खूंटी उसके सिर के नीचे चली जाती है और वह उस आदमी को खूंटी से ठोक देती है और सोते समय उसे बाहर ले जाती है।

प्रश्न: महिला युद्ध में कैसे लड़ती है - क्या वह उसे धोखा देती है? क्या वह चतुर है? हाँ, वह चतुर है और वह उसे धोखा देती है। वह उसे तब पकड़ती है जब वह इस तरह कमजोर होता है और वह उसे बाहर ले जाती है। वह दिन जीतती है। जैल महान विजेता है और भगवान ने दबोरा और बराक के साथ यहां जीत हासिल की है। इसलिए वे सफल हैं। उन्होंने हासोर के राजा याबीन को हराया।

जाबिन I और II

वैसे, क्या किसी को जोशुआ की किताब याद है? आप शायद नहीं जानते, लेकिन यहोशू की किताब में यह भी बताया गया है कि यहोशू ने हासोर के राजा याबीन को हराया था। कुछ लोग कहते हैं कि बाइबल में त्रुटियाँ हैं। इसमें डेबोरा ने याबीन को हरा दिया लेकिन यहोशू ने पहले ही

याबीन को मार डाला था। इसकी सबसे अधिक संभावना है कि जाबिन एक पारिवारिक नाम था जैसे जाबिन I, जाबिन II जैसा कि मिस्र में था। क्या कभी किसी ने मिस्र में टॉलेमीज़ का अध्ययन किया है? आइए मिस्र का थोड़ा इतिहास देखें। मिस्र का इतिहास टॉलेमी I, टॉलेमी II, टॉलेमी III, टॉलेमी IV, आपके पास एक पंक्ति में 24 टॉलेमी हैं। तो अब आप मिस्र का सारा इतिहास जान गए हैं। मैं सिर्फ दिखावा कर रहा हूँ, लेकिन जाबिन शायद वही चीज़ थी, यह शायद एक वंशवादी नाम था। याबीन राजा था और उसकी मृत्यु हो गई।

गिदोन बनाम मिद्यान

अब गिदोन और मिद्यान, यहाँ न्यायाधीशों के अध्याय 6 में क्या होता है। गिदोन बनने जा रहा है--क्या आपको वह लेख याद है जो आप लोगों ने पढ़ा था? जजों की किताब एक तरह से गिदोन और गिदोन के साथ आगे बढ़ती है, कुछ हद तक जजों की किताब के शिखर की तरह है। गिदोन के बाद, किताब खत्म होने जैसी है, और भी बहुत सारी पापपूर्ण चीज़ें घटित होने वाली हैं। तो यह इस आदमी गिदोन को ऊपर उठाता है।

वाइनप्रेस में गिदोन

वह शराब के कोल्हू में गेहूँ झाड़ रहा है। हमें वाइन प्रेस में गेहूँ क्या है इसके बारे में कुछ जानकारी जानने की आवश्यकता है। सबसे पहले, आप गेहूँ की कटाई कैसे करते हैं? आम तौर पर गेहूँ डंठल में होता है, लगभग एक घुटने तक ऊँचा या उससे थोड़ा ऊँचा। आप एक दरांती लेते हैं और आप अपने हाथों से चलते हैं, आप डंठल का एक गुच्छा पकड़ते हैं और आप दरांती से काटते हैं। आप डंठल काटते हैं, डंठल काटते हैं और फिर सभी डंठल नीचे रख देते हैं। फिर तुम इन डंठलों को ले लो और उन्हें खलिहान में रख दो। एक खलिहान, वह खम्भा से लेकर इस खम्भे तक जहाँ मैं हूँ, उनमें से अधिकांश से लगभग दोगुना बड़ा है। वे इस आकार के लगभग आधे हैं। वे अक्सर पहाड़ों की चोटी पर होते हैं। वे पहाड़ों की चोटी को काटते हैं और वहाँ एक समतल क्षेत्र बनाते हैं। तब वे सब डंठल ले लेते हैं, और उन डंठलों को गेहूँ के साथ वहाँ रख देते हैं। गेहूँ भूसी में है, और भूसी के बारे में आप जानते हैं कि गेहूँ के चारों ओर एक भूसी होती है। गेहूँ एक दाना है।

प्रश्न यह है कि क्या हम मनुष्य के रूप में भूसा खा सकते हैं? भूसा खाना घास खाने के समान है। क्या मनुष्य घास खा सकते हैं? हमारा पाचन तंत्र सेलूलोज़ की तरह काम नहीं करता है। अतः

तुम भूसी नहीं खा सकते। फिर भी क्या हम गेहूँ खाते हैं? हम गेहूँ खाते हैं (जब तक कि हम ग्लूटेन मुक्त न हों)। तो आपको गेहूँ को भूसी से अलग करना होगा।

इसलिए वे इस समतल क्षेत्र पर उठते हैं, जानवर उस पर चलते हैं। अब जैसे ही जानवर उस पर चलते हैं, कठोर गेहूँ छिल जाता है और छिलका उतर जाता है और फिर आप क्या करते हैं? तुम उसे हवा में उछालते हो और सारी हल्की भूसी हवा से उड़ जाती है। आप अपना खलिहान पहाड़ की चोटी पर क्यों चाहते हैं? वहाँ ऊपर हवा है। अतः हवा भूसी को उड़ा ले जाती है। लेकिन जब यह ऐसा करता है, तो क्या आप भूसी को देख सकते हैं, यह लगभग बादलों की तरह है। मैंने इसे इज़राइल में देखा है जहाँ वे भूसी का काम करते हैं और यह बादलों जैसा दिखता है। आप इसे दस मील दूर से देख सकते हैं।

तो मिद्यानी क्या करते हैं? मिद्यानी लोग चतुर हैं, क्या मिद्यानी लोग यहूदियों को अपनी फसलें बोन देते हैं? हाँ वे करते हैं। क्या वे उन्हें अपनी फसलें काटने देते हैं? हाँ वे करते हैं। मिद्यानियों ने कब प्रवेश किया? जब वे दाँवने का काम कर रहे होते हैं, तो मिद्यानी लोग कहते हैं, “ठीक है, अब हमें शुद्ध अनाज मिल गया है,” और मिद्यानियों ने जाकर कहा, “वह सारा अनाज मुझे दे दो, यह मेरा है।”

तो गिदोन क्या कर रहा है? गिदोन एक वाइन प्रेस में है। वाइन प्रेस, जो मैंने देखा है वह लगभग इतना बड़ा और गोल है, वे जमीन में छेद हैं जहाँ वाइन दबाई जाती है। गिदोन इस वाइन प्रेस के छेद में बैठकर अनाज की कटाई कर रहा है और अनाज से भूसी निकालने की कोशिश कर रहा है। तो वह इसे ऊपर और नीचे, ऊपर और नीचे फेंक रहा है, लेकिन अब इसमें काम करने के लिए केवल गुरुत्वाकर्षण है क्योंकि वाइन प्रेस में कोई हवा नहीं है। क्या वह एक शक्तिशाली योद्धा की तरह महसूस करता है या वह मिद्यानियों से छिप रहा है? वह मिद्यानियों से छिप रहा है और यह स्वर्गदूत उसके पास आता है और गिदोन उसे मिद्यानियों से बचाने के लिए शराब के कुण्ड में गेहूँ झाड़ रहा था। यहोवा के दूत ने गिदोन को दर्शन देकर कहा, “हे पराक्रमी योद्धा, यहोवा तुम्हारे साथ है।” क्या गिदोन एक शक्तिशाली योद्धा की तरह महसूस करता है, या क्या वह नीचे एक मुर्ग की तरह महसूस करता है, जो छिपकर मिद्यानियों द्वारा पकड़े जाने से बचने की कोशिश कर रहा है।

“लेकिन श्रीमान,” गिदोन ने उत्तर दिया, “यदि प्रभु हमारे साथ है तो यह सब हमारे साथ क्यों

हो रहा है? उसके वे सभी चमत्कार कहाँ हैं जिनके बारे में हमारे पिताओं ने हमें बताया था?" गिदोन चला जाता है। तब परमेश्वर गिदोन को बुलाते हैं और कहते हैं, "गिदोन, तुम मेरे आदमी हो, तुम इस्राएल का नेतृत्व करने जा रहे हो।" इसलिए परमेश्वर गिदोन को बुलाता है। यहोवा ने उससे कहा, "तुम्हारे पास जो शक्ति है उसमें जाओ और इस्राएल को मिद्यान के हाथ से बचाओ। क्या मैं तुम्हें नहीं भेज रहा हूँ?" "हे प्रभु," वह कहता है, "मैं इस्राएल को कैसे बचा सकता हूँ? मेरा कबीला इसराइल में सबसे कमज़ोर है," और वह बहाने बनाना शुरू कर देता है (cf. मूसा)।

गिदोन और ऊन

क्या कभी किसी ने अध्याय 6 के बाद के भाग में ऊन की कहानी के बारे में सुना है? गिदोन ऊन निकालता है। लोग इस ऊन का उपयोग परमेश्वर की इच्छा निर्धारित करने के लिए करते हैं। आप ऊन बाहर निकालते हैं और भगवान से प्रार्थना करते हैं, "भगवान यदि ऐसा होता है, तो मुझे पता है कि आप ऐसा करना चाहते हैं।" वे इसे ऊन बाहर निकालना कहते हैं। क्या गिदोन का ऊन बाहर निकालने का यह अंश, गिदोन के लिए परमेश्वर की इच्छा निर्धारित करने के लिए था? क्या गिदोन को पहले से ही पता था कि परमेश्वर की इच्छा क्या थी? हाँ, परमेश्वर ने गिदोन को बताया था कि वह उससे क्या करवाना चाहता है। वह जानता था कि परमेश्वर की इच्छा क्या थी। ऊन को बाहर निकालना एक परीक्षा थी। क्या वह ईश्वर की परीक्षा ले रहा था? हाँ। दूसरे शब्दों में, भगवान की इच्छा निर्धारित करने के लिए ऊन का उपयोग करते समय सावधान रहें। यह परिच्छेद कहता है कि वह परमेश्वर की इच्छा को पहले से ही जानता था। यह केवल परमेश्वर की परीक्षा लेने के लिए था।

अब उसने भगवान की परीक्षा कैसे ली? उसने कहा, "हे परमेश्वर, ऊन को गीला और भूमि को सूखा कर दे।" गर्मियों में भूमध्य सागर से ओस आती है जो गर्म होती है और रात में ज़मीन ठंडी हो जाती है। तो मूल रूप से, भूमध्यसागरीय नमी अंदर आती है और ठंडी भूमि से टकराती है। जब ऐसा होता है, तो यह ओस में अवक्षेपित हो जाता है। लेकिन जब ओस ऊन पर गिरती है, तो क्या होता है? ऊन स्पंज की तरह होता है। क्या ज़मीन सूखने पर स्पंज स्वाभाविक रूप से गीला रहता है? ज़मीन सूख जाती है, पानी सीधा ज़मीन में चला जाता है। गिदोन कहता है, ऊन को गीला और भूमि को सूखा बनाओ। सामान्यतः यही होता है। हाँ, तो गिदोन इतना उज्वल नहीं है, वह कहता है, "ओह, अरे, यह निश्चित रूप से सामान्य रूप से होगा। हे भगवान, मुझे एक और कोशिश करने का

मौका मिला। इस बार, मैं चाहता हूँ कि तुम ज़मीन को गीला करो और ऊन को सूखा। यह सचमुच पेचीदा है। अब, यह मुश्किल है क्योंकि, ओस नीचे आती है, ओस सब कुछ ढक देती है। उस ऊन को बनाना जो आमतौर पर पानी को सूखा और जमीन को गीला रखता है, यह एक वास्तविक चमत्कार है। जब आप भगवान के साथ व्यवहार कर रहे हों तो यह सब एक चमत्कार है, लेकिन यह बहुत अविश्वसनीय है।

भगवान की इच्छा और ऊन का निर्धारण

तो यह अनुच्छेद ईश्वर की इच्छा को खोजने के बारे में आता है। मैं बस ईश्वर की इच्छा जानने के बारे में थोड़ी बात करना चाहता हूँ। बच्चे कॉलेज में आते हैं, आप किसमें पढ़ाई कर रहे हैं? आप अपने जीवन के साथ क्या करना चाहते हैं? मेरी बेटी ने गॉर्डन कॉलेज से स्नातक की उपाधि प्राप्त की और स्नातक स्तर पर उसे पता नहीं था कि वह अपने जीवन में क्या करना चाहती है। यह भयानक है। तो क्या हुआ? सच में, वह स्नातक होने के लगभग दो साल बाद थी, वह इधर-उधर घूम रही थी, वह बाइबिल अध्ययन की प्रमुख थी, उसे नहीं पता था कि वह क्या करना चाहती थी। लगभग दो वर्षों के बाद, उसने कहा, "आप जानते हैं, मुझे लगता है कि मैं एक नर्स प्रैक्टिशनर बनना चाहती हूँ।" तो फिर वह वापस चली गई, रसायन विज्ञान और पाठ्यक्रम लिया और अब वह एक नर्स प्रैक्टिशनर है। लेकिन मैं जो कह रहा हूँ वह यह है कि कॉलेज के बाद उसे यह समझने में कई साल लग गए।

तो भगवान की इच्छा का निर्धारण ये केवल कुछ अमूर्त दिशानिर्देश हैं जिनका मैं स्वयं उपयोग करूँगा। सबसे पहले, आप पूछें कि क्या यह नैतिक है? प्रश्न: क्या मुझे बाहर जाकर चोरी करनी चाहिए, क्या मुझे बाहर जाकर झूठ बोलना चाहिए, क्या मुझे बाहर जाकर धोखा देना चाहिए, क्या मुझे बाहर जाकर किसी को मार देना चाहिए। उत्तर है: नहीं। वे अनैतिक हैं, वे गलत हैं। तो दूसरे शब्दों में, क्या यह नैतिक है, क्या यह ईश्वर की इच्छा में है। उन्होंने कहा कि झूठ बोलना गलत है, धोखा देना गलत है। तो नैतिक इच्छा, इसलिए मुझे पता है कि मुझे इसके बारे में खुद से पूछने की ज़रूरत नहीं है।

मैं खुद से अक्सर यह सवाल पूछता हूँ कि अच्छा क्या है? मैं बूढ़ा आदमी हूँ, मैं जीवन का अंत देख रहा हूँ। मैं वह कह रहा हूँ जो सबसे अच्छा, सबसे अच्छा है उसे मैं सबसे तेजी से कर

सकता हूँ। दूसरे शब्दों में, मैं सबसे अच्छा क्या कर सकता हूँ? हर दिन मैं इस प्रश्न के साथ उठता हूँ: इस दिन के लिए मैं सबसे अच्छा क्या कर सकता हूँ? तो आप पूछते हैं कि अच्छा क्या है, ऐसा कौन सा अच्छा है जो मैं कर सकता हूँ?

अब, अपने जुनून का पीछा करें, हम में से प्रत्येक की चीजों में अलग-अलग रुचि है और आपको उन चीजों को आगे बढ़ाने की जरूरत है जिनमें आपकी रुचि है, जिनके बारे में आप भावुक हैं। क्या आप आशा करते हैं कि यह उस चीज़ के साथ मेल खा सकता है जिसमें आप प्रतिभाशाली हैं? आपमें क्या प्रतिभा है? आपकी विचित्रता क्या है, आपका उपहार क्या है, आपकी रचनात्मकता क्या है, वास्तव में क्या चीज़ आपको आगे बढ़ने के लिए प्रेरित करती है? आपके उपहार क्या हैं? उन बातों का पालन करें।

फिर आप यह भी पूछते हैं, मुझे क्या लगता है कि भगवान मुझे क्या करने के लिए बुला रहे हैं और आपके जीवन में भगवान के बुलावे का एहसास होता है।

लेकिन कभी-कभी आप इन चीज़ों को ठीक से समझ नहीं पाते हैं। मैं आपको सिर्फ एक उदाहरण देता हूँ। जब मैं कॉलेज में था और इलेक्ट्रिकल इंजीनियरिंग और गणित की पढ़ाई की थी। वह मेरी स्नातक की डिग्री थी। जनवरी में पढ़ाई पूरी करने के बाद, मैं मदरसा गया। जब मैं मदरसा गया, तो मैंने क्या अध्ययन किया? सार बीजगणित, मदरसा में जटिल चर? नहीं, मैंने ग्रीक और हिब्रू का अध्ययन किया। जब मैं मदरसा पहुंचा, तो मुझे पता चला कि मुझे पवित्रशास्त्र का अध्ययन करना पसंद है। जब मैंने मदरसा से स्नातक की उपाधि प्राप्त की, उसके बाद मैं स्नातक विद्यालय में चला गया। मैंने अफसोस के साथ सोचा, "हे भगवान, मैंने अपने जीवन के तीन साल बर्बाद कर दिये। अपने जीवन के साढ़े तीन साल में, मैं स्कूल जाकर बीस घंटे का इंजीनियरिंग कोर्स कर रहा था, सप्ताह में बीस और तीस, चालीस घंटे काम कर रहा था। कॉलेज जाते-जाते मैंने खुदकुशी कर ली।" मैंने कहा, "हे भगवान, मैंने अपना सारा परिश्रम बर्बाद कर दिया जो मैंने वहां किया था। मैंने इसे पूरी तरह बर्बाद कर दिया। और अब मैं बाइबिल का अध्ययन कर रहा हूँ, बाइबिल का इलेक्ट्रिकल इंजीनियरिंग से क्या लेना-देना है?"

लगभग दस साल, पंद्रह साल बाद अचानक, 80 के दशक के अंत में मैंने पीसी नामक एक चीज़ उठा ली। और मैंने कहा, "हे पवित्र गाय, यह पहले की तुलना में दस गुना आसान है और देखो

हम इस पीसी पर क्या कर सकते हैं"। तब क्या हुआ? तो फिर मैंने यह सब कंप्यूटर से करना शुरू कर दिया। प्रश्न: क्या मैं बाइबिल अध्ययन और कंप्यूटर एक साथ करने में सक्षम हूँ। वैसे, क्या आप लोगों को इससे फ़ायदा होता है? क्योंकि क्या होता है, आपको ये सभी पाठ्यक्रम सामग्री मिल गई है, आपको ऑडियो मिल गया है, आपको टेक्स्ट मिल गया है और आप इस सामग्री के लिए 10 रुपये का कितना भुगतान करते हैं। यदि आप यहां कोई पाठ्यपुस्तक खरीदते हैं, तो यहां हर कोई लगभग 50 से 75 रुपये बचाता है क्योंकि अब आप इसे ऑनलाइन करते हैं। क्या हम सचमुच बढ़िया चीजें ऑनलाइन कर सकते हैं? हाँ। लेकिन मैं जो कह रहा हूँ वह यह है कि मेरे जीवन में लगभग दस से पंद्रह साल की अवधि थी जब मैंने कहा था, "मैं यह नहीं समझ सकता कि भगवान क्या कर रहा था।" दूसरे शब्दों में, मैंने अपने जीवन का एक बड़ा हिस्सा बर्बाद कर दिया और मैं इसका पता नहीं लगा सका। मैं जो कह रहा हूँ वह यह है कि आप सोच सकते हैं कि आप यह नहीं समझ सकते कि भगवान ने आपके जीवन में क्या किया है, लेकिन यदि आप समय के साथ इसे समय देते हैं, तो दस, पंद्रह, बीस साल बाद अचानक प्रकाश बल्ब जल जाएगा। और आप कहेंगे, "अरे बदबू आ रही है, यही तो चल रहा था और मुझे इसका संबंध कभी समझ नहीं आया।"

मैं जो देख रहा हूँ वह यह है कि भगवान उन चीजों को ले लेता है जिन्हें आप सबसे बड़ी समस्या मानते हैं और वह उन्हें बदल देता है। क्या आपको जोसेफ का कथन याद है? "आपने मेरे लिए यह बुराई के लिए सोचा था, लेकिन भगवान ने यह भलाई के लिए कहा था।" तो आप परमेश्वर के इस मुक्तिदायक कार्य को देखें जहां परमेश्वर उन चीजों को उठाता है जो हमारे जीवन में सबसे अधिक गंदी चीजें हैं और वह उन्हें बदल देता है। हमारी सबसे बड़ी समस्या वह चीज़ बन जाती है जिसे ईश्वर अपनी अच्छाई और अपनी महानता के लिए शानदार तरीकों से उपयोग करता है। तब हम जानते हैं कि यह ईश्वर कर रहा है, यह हम नहीं कर रहे हैं। ईश्वर ने हमें इस तरह से छुड़ाया है कि उसने हमें विशेष बना दिया है।

तो, इस खुले और बंद दरवाजे के बारे में सोचने लायक कुछ बातें? ईश्वर दरवाजे खोलता है, बाकी दरवाजे बंद हैं। मुझे लगता है कि लोगों के लिए सबसे बड़ी चीज़ों में से एक विफलता है। क्या असफलता आपके सबसे अच्छे दोस्तों में से एक है? असफलता वास्तव में यह जानना बहुत

महत्वपूर्ण है कि असफलता से कैसे निपटा जाए। असफलता आपके जीवन का सबसे बड़ा आशीर्वाद हो सकती है।

मुझे माइकल जॉर्डन की कहानी हमेशा याद आती है। क्या किसी को याद है कि माइकल जॉर्डन कौन है? यह लड़का 90 के दशक में बास्केटबॉल खेलता था। मैंने कभी पेशेवर खेल नहीं देखा, लेकिन मैंने माइकल जॉर्डन को देखा। ईमानदारी से कहूं तो मैंने कॉलेज, हॉटन कॉलेज में खेला। यह बिल्कुल वैसा ही था जैसे मैंने कभी किसी को ऐसा नहीं देखा जो वह कर सके जो वह हर खेल में करता था। वह यह सब कैसे कर सकता है? यह नामुमकिन है। माइकल जॉर्डन को उनकी हाई स्कूल बास्केटबॉल टीम से हटा दिया गया। मैं जो कह रहा हूँ वह यह है कि आप असफलता से कैसे निपटते हैं? असफलता वास्तव में महत्वपूर्ण है। खुले और बंद दरवाज़े, आप खुले और बंद दरवाज़ों को कैसे संभालते हैं?

अंत में, मैं हेनरी नोवेन से एक चीज़ लेना चाहूँगा। वह प्रार्थना के बारे में बात करता है। उनका कहना है कि जब आप प्रार्थना करें तो आपको खुले हाथों से प्रार्थना करनी होगी। यदि आप इस तरह प्रार्थना करते हैं [मुट्टी बंद करके]। आपको इस तरह प्रार्थना नहीं करनी चाहिए। आप भगवान से बात कर रहे हैं। आप खुले हाथ से प्रार्थना करते हैं और भगवान चीजें आपके हाथों में सौंप देते हैं। यह उनकी कृपा है। यह उनकी कृपा है। तो, बहुत सारा जीवन खुले हाथों से प्रार्थना कर रहा है। आप मांग नहीं कर सकते। जो चीजें आप सोचते हैं वे खूबसूरती से काम करेंगी और ऐसी चीजें। आप चीजों को खुले हाथ से पकड़ते हैं। ईश्वर स्थान देता है, जैसा कि नाइल्स लॉग कहते थे, "ईश्वर आपके हाथों में अनुग्रह के गुलदस्ते देता है।" आप उन्हें पकड़ नहीं सकते, वह उन्हें उपहार के रूप में आपके हाथों में सौंप देता है। तो इसका संबंध गिदोन और परमेश्वर की इच्छा से है।

गिदोन और मिद्यान की लड़ाई

अब, हमारा अगला बड़ा नाम गिदोन और मिद्यान है। मुझे गिदोन को ख़त्म करने दीजिए और हम इसे ख़त्म कर देंगे। गिदोन को युद्ध मिलता है और गिदोन लड़ने के लिए बाहर जाता है। क्या होता है? भगवान उसे जीत दिलाने जा रहे हैं। मैं यहाँ केवल अध्याय 7 गिदोन और मिद्यान युद्ध की कहानी सुनाना चाहता हूँ। यहाँ क्या होता है? गिदोन बाहर जाता है और 32,000 लोगों को लाता है। क्या आप चाहते हैं कि बड़ी सेना विजयी हो या छोटी सेना? आप यथासंभव सबसे बड़ी सेना

चाहते हैं। भगवान इसे देखते हैं और कहते हैं, "गिदोन तुम्हारे पास बहुत सारे लोग हैं।" वह कहते हैं, "बहुत सारे योद्धा हैं, यदि आप लड़ाई जीतते हैं, तो आप यह सोचेंगे कि ऐसा इसलिए हुआ क्योंकि आपने लड़ाई जीत ली है। मैं चाहता हूँ कि आप जानें कि मैं ही वह हूँ जो लड़ाई जीत रहा हूँ। इसलिए जो कोई भयभीत हो, वह अपने घर चले जाए।" क्या लोग युद्ध के संदर्भ में भयभीत हैं? क्या युद्ध का माहौल खतरनाक है?

मैं आपको अपने बेटे के सबसे अच्छे दोस्तों में से एक हेडली के बारे में एक कहानी बता सकता हूँ। हेडली निडर था, उसे कोई डर नहीं था। वह इराक गया था और उसे कोई डर नहीं था। मेरा बेटा उनके सबसे करीबी दोस्तों में से एक था। वह अफगानिस्तान चला जाता है। उसकी गर्दन के आर-पार गोली मारी गयी थी। इससे उसकी प्रमुख धमनी एक मिलीमीटर चूक गई और वह मर गया होता। हेडली ने एक या दो महीने की छुट्टी ली, मैं भूल गया, जो भी हो। उन्होंने उससे समझौता कर लिया है। वह लौट आया। जब वह युद्ध में वापस आया, तो क्या उसे अब डर का पता चला? हाँ। उसकी गर्दन में गोली लगने के बाद, अचानक ऐसा हुआ कि जब आप फिर से वहाँ से बाहर जाते हैं तो यही आप होते हैं और आपको फिर से गर्दन पर गोली मार दी जाती है। यह अच्छा नहीं है। तो मैं जो कह रहा हूँ वह भय और युद्ध है।

क्या होने जा रहा है? 22,000 की छुट्टी। उसके पास न जाने 10,000 या ऐसा ही कुछ बचा है। अब, भगवान उसे पीने के लिए नीचे ले जाते हैं। यह गर्म जलवायु है। वे सभी लोग जिन्होंने अपना सिर पानी में डाला था और गोद में पानी से बाहर आए थे, उन्हें घर जाने दिया जाए। जब अधिकांश लोग वास्तव में प्यासे होते हैं तो वे कैसे पीते हैं? क्या आप झरने में गोता लगाते हैं और सबसे पहले सिर तक पहुँचते हैं? उन्होंने कहा कि जो लोग इसे लाते हैं और अपने मुँह में ले लेते हैं, वे ही मैं चाहता हूँ। वहाँ कितने थे? 300. बाकी सब, हजारों लोग घर जाते हैं। गिदोन के पास 300 हैं। "300" स्पार्टन्स या कुछ और जैसा लगता है।

अब कुछ लोग कहते हैं कि गिदोन कुछ अच्छे आदमी चाहता है। क्या ईश्वर यही करना चाह रहा था, कुछ अच्छे आदमी प्राप्त करना? उत्तर है: नहीं। यह इस कहानी के बिंदु के बिल्कुल विपरीत है। क्या ईश्वर यह दिखाने के लिए कुछ अच्छे लोगों को लाने की कोशिश कर रहा था कि

कुछ अच्छे लोग जीत हासिल कर सकते हैं? नहीं, वह उन्हें यह दिखाने की कोशिश कर रहा था कि जीत किसकी होने वाली है? वह जीत हासिल करने जा रहा था. ये कुछ अच्छे आदमी नहीं हैं.

तो वे जो करते हैं वह यह है कि वे मूल रूप से चारों ओर घूमते हैं और उन्होंने मिद्यानियों को घेर लिया है और उनके पास जैतून के तेल से भरा हुआ एक बत्ती वाला दीपक है जो जलने के लिए तैयार है। उनके पास तुरही हैं और तीन सौ लोग उन्हें घेरे हुए हैं। वैसे, मिद्यानवासी उन लोगों का एक समूह हैं जिन्हें वे भाड़े के सैनिक कहते हैं। तो इन लोगों के साथ भाड़े के सैनिक मिले हुए हैं। गिदोन ने उन्हें घेर लिया। वे मोलोटोव कॉकटेल की तरह लैंप तोड़ते हैं। वे मोलोटोव कॉकटेल तोड़ते हैं। सब कुछ आग में जल जाता है. वे तुरही बजाते हैं और मिद्यानियों और भाड़े के सैनिकों को लगता है कि वे घिर गए हैं और वे एक-दूसरे से लड़ने लगते हैं। फिर, सेना टूट जाती है और लोग एक-दूसरे को मार डालते हैं। गिदोन ने 300 लोगों के साथ लड़ाई जीत ली। उस दिन युद्ध किसने जीता? भगवान ने युद्ध जीत लिया और जीत उनकी ही हुई।

हम इसे वहीं समाप्त कर देंगे। मुझे लगता है कि घड़ी धीमी है और अगली बार हम इसे पूरा कर लेंगे। तो, गुरुवार को मिलते हैं। हमें गुरुवार को एक प्रश्नोत्तरी मिली है।

यह डॉ. टेड हिल्डेब्रांट अपने पुराने नियम के इतिहास, साहित्य और धर्मशास्त्र पाठ्यक्रम व्याख्यान संख्या 20 में जोशुआ और पेसिफिज्म बनाम द जस्ट वॉर थ्योरी की पुस्तक का समापन करते हैं। और फिर न्यायाधीशों और न्यायाधीशों एहूद, दबोरा और बराक और गिदोन की पुस्तक के परिचय के साथ न्यायाधीशों पर।

ई संपादक द्वारा लिखित: ब्री यंग, अबीगैल नैश, एबी स्वानसन, केटी ज़ब्लॉकी, डोलापो अन्यानवु, और जेनसिन चांग
टेड हिल्डेब्रांट द्वारा रफ संपादित